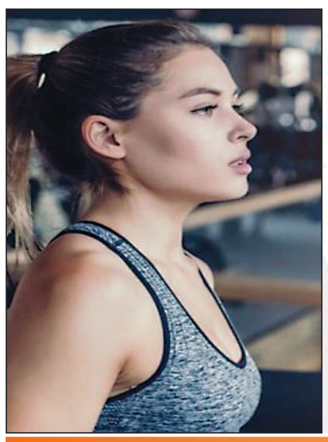

सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

कार्डियो ए सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें पेज: 7

वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री पेज: 8

वर्ष : 02 | अंक : 88 | मंगलवार 30 जून 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

राम मंदिर चंदा घोटाला: दान घोटाले में बड़ा एक्शन, 8 आरोपियों की बढ़ी मुश्किलें, अयोध्या कोर्ट ने 14 दिन की हिरासत में भेजा

नई दिल्ली एजेंसी: उत्तर प्रदेश के अयोध्या स्थित राम मंदिर में दान के कथित गबन मामले में गिरफ्तार सभी आठ आरोपियों को सोमवार को स्थानीय अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। विशेष अभियोजन अधिकारी उमेश दुबे ने बताया कि पिछली न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने के बाद आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भ्रष्टाचार रोधी अदालत के विशेष न्यायाधीश रजत वर्मा के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने आरोपियों की हिरासत के लिए कोई आवेदन नहीं दिया। इससे पहले, एक विशेष अदालत ने उन्हें सोमवार तक तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा था। अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई के बाद आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 दिन और बढ़ा दी।

दशकों पुराना यमुना जल विवाद खत्म! केंद्र ने कराया हरियाणा-राजस्थान में ऐतिहासिक पानी समझौता- जानें क्या था विवाद और किसे क्या मिला

अंतर-राज्यीय जल विवादों को सुलझाने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की गरिमामयी मौजूदगी में कर्तव्य भवन में हरियाणा और राजस्थान के बीच पानी के बंटवारे को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस उच्चस्तरीय बैठक में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा विशेष रूप से मौजूद रहे। यह समझौता दोनों राज्यों के बीच पानी के कुशल और व्यवस्थित प्रबंधन के लिए एक नए युग की शुरूआत माना जा रहा है। केंद्रीय मंत्री सीआर पाटिल ने कहा कि यह समझौता लंबी बातचीत का नतीजा है और इससे 1994 के पानी के बंटवारे के ढांचे को बेहतर ढंग

से लागू करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पानी के सही इस्तेमाल के लिए राज्यों के बीच तालमेल जरूरी है। हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा राजस्थान के पानी के अधिकारों का सम्मान करता है और सहयोग के जरिए सही बंटवारे का समर्थन करता है। राजस्थान के सीएम भजन लाल शर्मा ने कहा कि राज्य केवल पानी का अपना तय हिस्सा मांग रहा है, और मॉनसून के अतिरिक्त पानी का बेहतर इस्तेमाल कई ज़िलों में पीने के पानी की समस्या को हल करने में मदद कर सकता है। समझौते में क्या कहा गया है? नई व्यवस्था के तहत, राजस्थान को मॉनसून के मौसम में पश्चिमी यमुना नहर प्रणाली के जरिए जमीन के नीचे बिछाई गई पाइपलाइन से हथिनीकुंड बैराज से पानी का अपना तय हिस्सा मिलेगा। अधिकारियों ने कहा कि इसका मकसद राजस्थान के सूखा-प्रभावित इलाकों जैसे चूरू, सीकर और झुंझुनूं में पीने के पानी की लंबे समय तक और लगातार सप्लाई सुनिश्चित करना है। यह समझौता 1994 के अपर

अमित शाह की गरिमामयी मौजूदगी में कर्तव्य भवन में.......

अंतर-राज्यीय जल विवादों को सुलझाने की दिशा में सोमवार को एक ऐतिहासिक मील का पत्थर स्थापित हुआ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की गरिमामयी मौजूदगी में कर्तव्य भवन में हरियाणा और राजस्थान के बीच पानी के बंटवारे को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन ...

यमुना रिवर बोर्ड समझौते से जुड़ा है, जिसमें पहले से ही यह तय है कि बेसिन वाले राज्यों के बीच यमुना नदी के पानी का बंटवारा कैसे होगा। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि कई सालों तक इसे पूरी तरह से लागू नहीं किया गया, जिससे बार-बार विवाद होते रहे। मुख्य मुद्दा यह रहा है कि हरियाणा, राजस्थान और अन्य राज्यों के बीच नदी के पानी का बंटवारा कैसे हो। हरियाणा और राजस्थान के बीच यमुना नदी के पानी के बंटवारे को लेकर लंबे समय से बहस चल रही है। पंजाब भी रावी-ब्यास के पानी को लेकर एक अलग लेकिन संबंधित विवाद का हिस्सा रहा है, जो 1966 में हरियाणा के अलग राज्य बनने के समय से चला आ रहा है। राज्य अक्सर इस बात पर बहस करते हैं कि क्या उन्हें पानी का पूरा तय हिस्सा मिल रहा है, खासकर गर्मियों और बुवाई के मौसम में। खरीफ के मौसम में यह समस्या और गंभीर हो जाती है, जब धान की फसल के लिए पानी की मांग ज्यादा होती है और नदी का जलस्तर कम हो जाता है। हर साल, पानी भरने का मौसम खत्म होने के बाद बड़े बांधों से राज्यों के बीच पानी बांटा जाता है। इसमें भाखड़ा, पोंग और रंजीत सागर बांधों का पानी शामिल है, जिसे पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के बीच बांटा जाता है। क्योंकि पंजाब और हरियाणा दोनों ही ज्यादा पानी वाली फसलें, खासकर धान उगाते हैं, इसलिए गर्मियों में पानी की मांग तेजी से बढ़ जाती है। साथ ही, जमीन के नीचे पानी का स्तर भी गिर गया है, जिससे नहर के पानी की अहमियत और बढ़ गई है। अधिकारियों का कहना है कि सप्लाई में मामूली बदलाव से भी अक्सर राज्यों के बीच राजनीतिक और प्रशासनिक विवाद पैदा हो जाते हैं। इसके बाद क्या होगा? अधिकारियों ने बताया कि अब यह समझौता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगा

उत्तराखंड की नई महिला नीति से बदलेगी तकदीर, अब महिला सभाएँ से चलेंगी गांव की सरकारें

उत्तराखंड एजेंसी: उत्तराखंड सरकार ने राज्य की महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए पहली बार एक खास महिला नीति को मंजूरी दी है। इसका मकसद महिलाओं को सिर्फ सरकारी योजनाओं के भरोसे रखने के बजाय उन्हें रोजगार, व्यापार, नेतृत्व और गांवों के विकास के केंद्र में लाना है। यह नीति ऐसे समय पर आई है जब पूरे देश में महिलाओं के नेतृत्व में विकास करने के मॉडल पर चर्चा हो रही है। नौकरी, व्यापार और बड़े फैसलों में मिलेगी सीधी हिस्सेदारी मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लंबे समय से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने वाली योजनाओं पर जोर देते रहे हैं। इस नई नीति के जरिए सरकार चाहती है कि महिलाओं का दायरा सिर्फ घर-गृहस्थी या खेतों तक

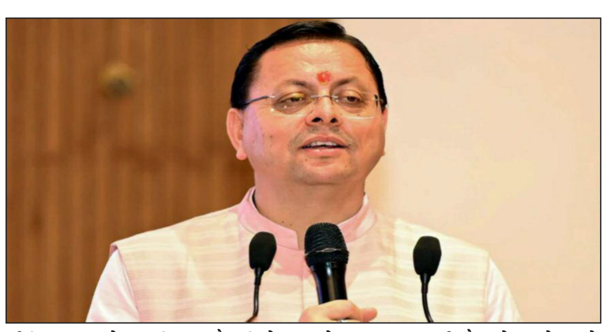

सीमित न रहे, बल्कि नौकरियों, बिजनेस और गांवों के बड़े फैसलों में भी उनकी सीधी भागीदारी हो। सीएम धामी का विजन सीएम धामी का कहना है, "महिलाएं उत्तराखंड के समाज की रीढ़ हैं। हमारी सरकार का मानना है कि महिलाओं को मजबूत बनाए बिना समाज आगे नहीं बढ़ सकता। यही वजह है कि हमने महिलाओं के लिए कई खास योजनाएं शुरू की हैं, जो आने वाले समय में बड़ा बदलाव लाएँगी।" सीएम धामी अपने कार्यकाल में महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30% आरक्षण देने और सहकारी समितियों में भी आरक्षण जैसे कई बड़े फैसले ले चुके हैं। गांव की सरकार में महिलाओं की सीधी एंट्री, बनेंगी 'महिला सभाएं' इस नीति का सबसे बेहतरीन हिस्सा ग्रामीण स्तर पर महिलाओं को ताकत देना है। अब तक गांवों के विकास और बजट की प्लानिंग में महिलाओं की बातें अक्सर अनसुनी रह जाती थीं, लेकिन अब इसका पक्का इलाज कर दिया गया है।

नई नीति के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष 'महिला सभाओं' का गठन किया जाएगा। ये सभाएं सीधे गांव के विकास से जुड़े फैसलों में अपनी राय रखेंगी, जिससे प्रशासनिक प्लानिंग में महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता मिलेगी। नौकरियों और सहकारी समितियों में मिला आरक्षण का कवच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए आरक्षण का एक मजबूत सुरक्षा कवच तैयार किया है।

महाराष्ट्र राजनीति: उद्धव के 'ऑपरेशन देवेंद्र' पर फडणवीस का तंज- मेरे पंख नहीं, कौन काटेगा?

महाराष्ट्र एजेंसी: महाराष्ट्र में शिवसेना (यूटीबी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बीच एक नई राजनीतिक बयानबाजी शुरू हो गई है। दोनों नेताओं के बीच यह टकराव शिवसेना (यूटीबी) के छह सांसदों के एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट में शामिल होने के कुछ दिनों बाद हुआ है। हिंगोली में एक रैली को संबोधित करते हुए ठाकरे ने दावा किया कि बीजेपी का चर्चित 'ऑपरेशन टाइगर' असल में 'ऑपरेशन देवेंद्र' था। उन्होंने इसे विपक्ष के खिलाफ नहीं, बल्कि फडणवीस को भविष्य में प्रधानमंत्री पद के दावेदार के तौर पर उभरने से रोकने के लिए बनाई गई एक चाल बताया। बिना चुनाव हुए ही सांसद दूसरी पार्टी में चले गए। उन्होंने इसके

बजाय बीजेपी क्यों जॉइन नहीं की? मुझे शक है कि यह असल में 'ऑपरेशन देवेंद्र' है। ठाकरे ने कहा कि अमित शाह ने शायद यह सब इसलिए किया ताकि फडणवीस एक खास स्तर पर ही बने रहें और प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल न हो सकें। अगर कल जरूरत पड़ी, तो ये बागी नेता प्रधानमंत्री पद के लिए अमित शाह को वोट देंगे। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि 'ऑपरेशन टाइगर' का मकसद प्रस्तावित परिसीमन प्रक्रिया से पहले लोकसभा में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए को दो-तिहाई बहुमत दिलाने में मदद करना था। फडणवीस का पलटवार पालघर में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए फडणवीस ने इस दावे को खारिज कर दिया और कहा कि उनका पूरा ध्यान विकास पर है। मुख्यमंत्री ने कहा, "मैं एक इंसान हूं। मेरे पंख नहीं हैं, तो उन्हें कौन काट सकता है? मुझे महाराष्ट्र के 14 करोड़ लोगों और अपने वरिष्ठ नेताओं का आशीर्वाद प्राप्त है, इसलिए चिंता करने की कोई बात नहीं है। उनकी यह प्रतिक्रिया तब आई जब बीजेपी ने पार्टी छोड़ने वालों और ठाकरे के साथ उनके संबंधों को लेकर चल रही अटकलों को खारिज करने की कोशिश की। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब कुछ दिन पहले ही फडणवीस और ठाकरे ने मुंबई से नागपुर के लिए एक ही कमर्शियल फ़्लाइट में अचानक यात्रा की थी, जिससे शिवसेना में बगावत के बीच जबरदस्त राजनीतिक अटकलें शुरू हो गई थीं। इस फ़्लाइट में आदित्य ठाकरे और शिवसेना (यूटीबी) के सांसद संजय राउत भी सवार थे।

'दुनिया की चुनौतियों का समाधान भारत की समग्र दृष्टि में निहित', आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली एजेंसी: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत ने रविवार को वैश्विक चुनौतियों और उनके समाधान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भारत के पास एक ऐसी समग्र और एकीकृत दृष्टि (समग्र दृष्टिकोण) है, जिसमें वर्तमान समय में दुनिया के सामने मौजूद सभी संकटों और चुनौतियों का स्थायी समाधान छिपा है। भागवत ने जोर देकर कहा कि विश्व को पूर्णता प्रदान करना और उसे सही दिशा दिखाना ही भारत की मुख्य भूमिका है। उन्होंने कहा कि दुनिया को पूर्णता प्रदान करना भारत की भूमिका है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भारतीय शिक्षण मंडल की ओर से आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि विश्व के सभी प्राणियों के कल्याण के लिए भारत की बात सुनी जानी चाहिए। उन्होंने कहा,

ह्यह्य दुनिया को पूर्णता प्रदान करने के लिए हमारी समग्र दृष्टि के आधार पर विश्व के सभी प्राणियों के कल्याण के लिए भारत की बात सुनी जानी चाहिए। यह अपरिहार्य है। उन्होंने कहा कि मौजूदा वैश्विक ढांचे केवल आंशिक दृष्टिकोण ही पेश करते हैं और समय की चुनौतियों का पूरी तरह से समाधान नहीं कर सकते। भागवत ने इस अवसर पर भारतीय शिक्षण मंडल बीएसएम की नई वेबसाइट की शुरूआत की। विज्ञप्ति के अनुसार, देशभर से आए करीब 380 प्रतिनिधियों की भागीदारी वाले इस सम्मेलन का उद्घाटन शुक्रवार को कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने किया था। नई वेबसाइट की शुरूआत और सम्मेलन का विवरण इस विशेष अवसर पर मोहन भागवत ने 'भारतीय शिक्षण मंडल' बीएसएम की नई आधिकारिक वेबसाइट का भी शुभारंभ किया। प्रतिनिधियों की भागीदारी: इस तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के कोने-कोने से आए लगभग 380 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।भव्य उद्घाटन: विज्ञप्ति के मुताबिक, शुक्रवार को इस महत्वपूर्ण सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा किया गया था।

बंगाल की राजनीति: भड़काऊ बयान पर घिरे हुमायूँ कबीर, सुवेंदु अधिकारी बोले- दो केस दर्ज, होगी कार्रवाई

नई दिल्ली एजेंसी: पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि भाजपा सरकार राज्य में कानून का राज स्थापित करेगी। उन्होंने आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के विधायक हुमायूं कबीर पर रेजीनगर विधानसभा सीट के उपचुनाव में मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के उद्देश्य से भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया। शुभेंदु ने कहा कि मुर्शिदाबाद जिले में दो हालिया जन सभाओं में मुख्यमंत्री और सरकारी तंत्र के खिलाफ हुमायूं कबीर द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणियों के संबंध में उनके विरुद्ध दो आपराधिक मामले दर्ज किये गए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस कानून के अनुसार कार्रवाई करेगी। हुमायूं कबीर ने 2026 के विधानसभा चुनाव में मुर्शिदाबाद जिले की नौदा और रेजीनगर, दोनों विधानसभा सीटों से जीत दर्ज की थी। बाद में, उन्होंने नौदा से विधायक पद की शपथ ली, जिसके चलते रेजीनगर सीट पर उपचुनाव कराने की जरूरत पड़ी। शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह स्पष्ट है कि विधानसभा चुनाव में दो सीटों से जीतने और बाद में उनमें से एक सीट छोड़ने वाले कबीर अपने बेटे के रेजीनगर विधानसभा उपचुनाव लड़ने की संभावना को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं का ध्रुवीकरण करने के लिए भड़काऊ बयान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन लोगों ने हुमायूं कबीर को इन जन सभाओं में भाषण देने के लिए आमंत्रित किया था, उनके खिलाफ पहले कार्रवाई की जाएगी और उसके बाद विधायक के विरुद्ध कानून के अनुसार कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा,सरकार कानून का राज स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार पूर्ववर्ती ममता बनर्जी सरकार की तरह कमजोर नहीं है।

अरुणाचल में बाढ़: टापू पर फंसे लोग, देवदूत बनकर पहुंची आईएएफ, भारी बारिश से बिगड़े हालात, रेस्क्यू जारी

नई दिल्ली एजेंसी: अरुणाचल प्रदेश में लगातार हो रही भारी मानसूनी बारिश से व्यापक तबाही के चलते बचाव अभियान सोमवार को भी जारी है। बाढ़ और भूस्खलन के कारण सड़कों, पुलों और मकानों को नुकसान पहुंचने के साथ कम से कम 12 जिलों में संपर्क व्यवस्था बाधित हो गई। लोअर दिबांग वैली जिले के डंबुक इलाके में सिसिरी नदी के बीच एक टापू पर फंसे चार लोगों को सोमवार को भारतीय वायु सेना के हेलीकॉप्टर से बचाया गया। भारी बारिश ने लोअर दिबांग वैली जिले में रोइंग-अनिनी सड़क को भी बुरी तरह नुकसान पहुंचाया है। अचानक आई बाढ़ कई जगहों पर सड़कों और पुलों को बहा ले गई है। अंजॉ जिले में रविवार रात वालोंग की ओर सरती गांव के पास राजमार्ग निर्माण कार्य में लगी एक गाड़ी पर भारी चट्टान गिरने से निर्माण मशीन संचालक की मौत की आशंका है। खराब दृश्यता और चट्टानों के गिरने के खतरे के कारण बचाव अभियान रातभर के लिए स्थगित कर दिया गया था, जिसे

सोमवार तड़के दोबारा शुरू किया गया। वालोंग चौकी और हवाई पुलिस थाने की पुलिस बचाव अभियान में सहयोग कर रही है। मलबा हटाने का कार्य पूरा होने तक प्रभावित सड़क को यातायात के लिए बंद कर दिया गया है। लगातार बारिश की वजह से भूस्खलन, बाढ़ और सड़कें बह जाने से ईस्ट सियांग जिले में आवागमन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। प्रभावित 11 प्रमुख सड़कों में से केवल दो को ही यातायात के लिए फिर से खोला गया है,

जबकि पासीघाट-पांगिन, पासीघाट-मरियांग-यिंगकिओंग पासीघाट-मेबो-दामबुक-बोमजिर, बिलाट-लेडुम और पासीघाट-यागरुंग-लेडुम-तेने मार्ग समेत नौ सड़कें अब भी अवरुद्ध हैं या आवागमन के लिए असुरक्षित बनी हुई हैं। लोअर सियांग जिले में सिजी क्षेत्र में हुए एक बड़े भूस्खलन के कारण सिजी और मागी के बीच लिकाबाली चौकी के पास सिजी नदी का प्रवाह अवरुद्ध हो गया, जिससे नदी के ऊपरी हिस्से में पानी जमा होने लगा। अधिकारियों ने नदी के निचले हिस्सों में बसे क्षेत्रों के लिए संभावित खतरे की चेतावनी जारी की और नदी किनारे रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया। पानी घटने के बाद सोमवार सुबह नदी का प्रवाह सामान्य हो गया।

योगी आदित्यनाथ का फुल एक्शन में, आगरा में अफसरों को चेतावनी- घटिया काम पर दर्ज होगी प्राथमिकी

लखनऊ एजेंसी: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि राज्य में विकास, सुशासन और जन-कल्याण के प्रयासों को नई गति मिलेगी। उन्होंने पीलीभीत की बरखेड़ा और बिसलपुर विधानसभा सीटों पर 569 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 66 परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुरादाबाद में भी उन्होंने 365 करोड़ रुपये से ज्यादा की लागत वाली 63 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में मुरादाबाद नगर, मुरादाबाद देहात और कुंदरकी विधानसभा क्षेत्रों के साथ-साथ नगर निगम और मुरादाबाद विकास प्राधिकरण की परियोजनाएं भी शामिल थीं। एक दिन पहले, आदित्यनाथ ने आगरा डिवीजन के लिए विकास कार्यों, कानून-व्यवस्था की स्थिति और लोक निर्माण विभाग (PWD) की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में क्वालिटी और जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। डिविजनल कमिश्नर के ऑडिटोरियम में एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कार्यों में कमियां बर्दाश्त नहीं की

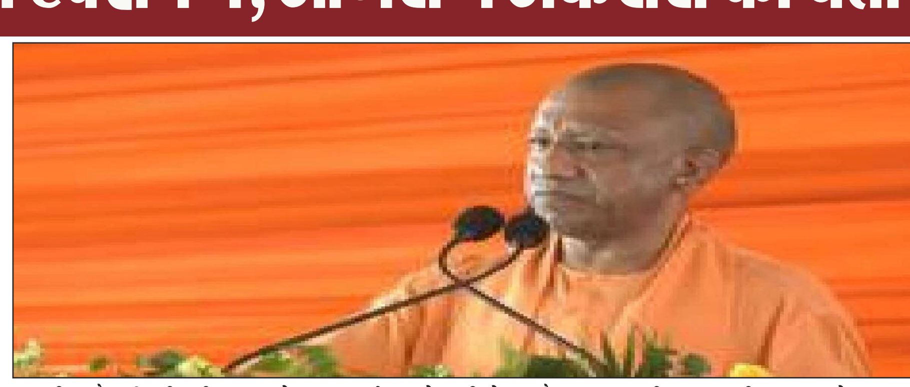

जाएंगी और किसी भी हाल में क्वालिटी से समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगरा, जो अब एक मेट्रो शहर है, वहां मेट्रो स्टैंडर्ड के हिसाब से पानी की सप्लाई, सड़कें, सीवरेज और शहर को सुंदर बनाने की सुविधाएं होनी चाहिए। सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे ग्रामीण सड़कों पर भारी वाहनों की आवाजाही पर तुरंत रोक लगाएं और सड़कों को नुकसान पहुंचाने वाले वाहन मालिकों से मरम्मत का खर्च वसूलें। उन्होंने जल जीवन मिशन, अमृत योजना, सीवर लाइन

डिविजनल कमिश्नर के ऑडिटोरियम में एक हाई-लेवल मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकास कार्यों में कमियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी और किसी भी हाल में क्वालिटी से समझौता नहीं किया जाएगा।

प्रोजेक्ट और अन्य बुनियादी ढांचा कार्यों के लिए खोदी गई सड़कों की खराब मरम्मत पर भी नाराजगी जताई। आदित्यनाथ ने चेतावनी दी कि खराब क्वालिटी के निर्माण के लिए इंजीनियर और ठेकेदार सीधे तौर पर जिम्मेदार होंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे घटिया काम के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ ऋक्कफ दर्ज करें और कानूनी कार्रवाई शुरू करें। मुख्यमंत्री ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल और सुप्रीम कोर्ट में लंबित मामलों के कारण आगरा एयरपोर्ट के विस्तार, नए पुलों के निर्माण और सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं में आ रही कानूनी अड़चनों की भी समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे यह सुनिश्चित करें कि विकास परियोजनाएं न रुकें और उनसे कहा कि वे अदालतों में सरकार का पक्ष प्रभावी ढंग से रखने के लिए वरिष्ठ वकीलों का एक पैनल बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि जहां पुराने पेड़ सड़क चौड़ी करने के काम में बाधा डालते हैं, वहां उन पेड़ों वाली जमीन को बचाते हुए वैकल्पिक रास्ते तैयार किए जाने चाहिए। उन्होंने पड़ोसी राज्यों राजस्थान और मध्य प्रदेश से हो रही अवैध माइनिंग पर चिंता जताई और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राज्य की सीमाओं पर निगरानी बढ़ाएं और इस समस्या से निपटने के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ तालमेल बिठाएं। उन्होंने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे किसानों की फसलों को बचाने के लिए

संपादकीय

सियासी नेतृत्व का पिछड़ापन

कांगड़ा के राजनीतिक नेतृत्व के पिछड़ेपन के लिए यहां के नेताओं का भोलापन, पहचान का संकट, आपसी मेलभाव तथा स्वीकार्यता की कमी मानी जा सकती है। कांग्रेस के नजरिए से कांगड़ा को सत्ता प्राप्ति का हक मिलता रहा। पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह ने तो बाकायदा कांगड़ा की शून्यता के दरवाजे खोलकर झांकने की कोशिश में सत्ता के कई संस्थान स्थापित किए। हालांकि सरकारों की सियासी बाध्यताओं ने कांगड़ा के उच्चारण तो बढ़ाए, लेकिन यहां कोई भी नेता महफूज न हुआ। अधिकतर सत्ता के दरबान बने या कांगड़ा की सियासी प्रतिभा के खिलाफ षड्यंत्रकारी बन गए। वीरभद्र हों, धूमल हों या जयराम ठाकुर, सभी ने अपना पंथ बनाने की कोशिश की, लिहाजा दरबारी होने का रुतबा मौजूदा सरकार के तहत स्थानीय निकाय चुनावों तक देखा गया। पालमपुर नगर निगम पर कांग्रेस के कब्जे ने भाजपा के नेतृत्व में कांगड़ा का शौर्य पस्त किया, तो धर्मशाला में भाजपा का अग्रणी चेहरा, कांग्रेस से भाजपा में आए सुधीर शर्मा की संगत में आगे बढ़ता देखा गया। यहां कांग्रेस की परीक्षा में कांगड़ा को सफल करने का कोई नायाब हीरा नहीं मिला, तो पड़ताल अगले चुनाव को सालती रहेगी। बेशक प्रतीकों में कांगड़ा का नाम हुआ। सबसे अधिक व सत्ता के नजदीक पहुंचाने में वीरभद्र की डॉक्ट्रिन श्रेष्ठ रही, लेकिन अपने-अपने सियासी अनुपात साधने की कोशिश में हर मुख्यमंत्री ने डमरू जरूर बजाए। वीरभद्र सिंह ने मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, मंत्रिमंडलीय बैठकें, विधानसभा का शीतकालीन सत्र और धर्मशाला को शीतकालीन राजधानी का दर्जा दिया, तो प्रेम कुमार धूमल ने सचिवालय से खेल राजधानी के रुतबे से मुख्यालय को नवाजा। जयराम ने राज्य के चिंतन मनन में धर्मशाला में इन्वेस्टर मीट, जी-ट्वंटी सम्मेलन के अलावा कई राष्ट्रीय पर्व और पहचान के इवेंट यहां आयोजित किए। वीरभद्र सिंह की रिवायतों से प्रभावित सुखविंद्र सुक्खू ने धर्मशाला तक कई विभागों, निगमों और बोर्डों के मुख्यालय पहुंचाए, तो संपूर्ण कांगड़ा घाटी को पर्यटन राजधानी घोषित कर-के, गगल एयरपोर्ट विस्तार को यकीनी बनाया।

चिंतन-मनन

शांति इंसान के अंदर है

पानी में मिला हुआ नमक दिखाई नहीं देता। इसका यह मतलब नहीं कि वह गायब हो गया। हालांकि आंख से नहीं देख सकते, पर जबान से उसे चख तो सकते हैं। मनुष्य के साथ ही कुछ ऐसा ही होता है। हम शांति को आंखों से नहीं देख सकते, परंतु हृदय से उसका अनुभव कर सकते हैं। वह शक्ति भी सब जगह है- थल में भी है, आकाश, वायु, जल और पेड़ों में भी है और उसी के होने की वजह से आप भी जीवित हैं। आप विश्वास करते हैं कि आपकी जन्मपुंडली में लिखा हुआ है, इसकी वजह से आप जीवित हैं, परंतु नहीं। कौन कब जाएगा, यह किसी को नहीं मालूम। कब क्या होगा, यह किसी को नहीं मालूम। पर लोग अपने जीवन के अंदर इसी चीज का विश्वास करके चलते हैं कि उनको मालूम है कि कल क्या होगा। आप जीते कहां हैं? आज में। कल तो आप जी नहीं सकते। अगर कल आएगा भी तो उसको आज का रूप लेना पड़ेगा। तो आप जीते कहां हैं? आज में। और आपकी आशाएं कहां हैं? कल में। आप चिंता किसकी करते हैं? कल की। और कल कभी आएगा नहीं। सारी जिंदगी आज में आपको जीना है। संस्कार यह डालने चाहिए कि आपके अंदर शांति है, उसे खोजो, उसको महसूस करो। अगर शांति-शांति कहने से ही शांति हो जाती तो अब तक तो हो जानी चाहिए थी। अब तक नहीं हुई है, तो कम से कम कुछ तो बदलिए। क्या बदलिए? मुंह को बंद कीजिए और अंतर्मुख होकर हृदय को खोलिए। क्योंकि शांति को पैदा करने की जरूरत नहीं है। शांति तो स्वयं आपके अंदर है, जैसे वह नमक जो पानी में मिला हुआ है, वैसे ही शांति भी आपके अंदर है। होश संभालने के साथ ही आप शांति, आनंद और चैन को ढूंढ रहे हैं। परंतु वह आपके हृदय के अंदर ही स्थित है। उसके अनुभव के लिए आपको इसे अपनाना पड़ेगा। इसे महसूस करने के लिए आप में इच्छा होनी चाहिए कि आप अपने जीवन में यह शांति चाहते हैं। जब तक अनुभव नहीं होगा, तब तक सारी बातें अधूरी हैं। जिस शांति की आपको तलाश है, वह शांति आपके अंदर है। कब तक रहेगी? जब तक आप जीवित हैं, तब तक रहेगी। आपकी सुंदरता कब बढ़ेगी? इस संसार के अंदर ऐसी कौन सी चीज है, जिसे पहनकर आप दरअसल अच्छे लगेंगे? वह है शांति। आप शांति रूपी चादर ओढ़ेंगे तो आपके चेहरे पर मुस्कान होगी। वह मुस्कान सबसे सुंदर दिखाई देगी, तब आप असल में चमकेंगे। हृदय के दर्पण में आप अपनी परछाई देखेंगे, तो आप भी ऐसे आनंद से भर जाएंगे और कहेंगे-हे बनाने वाले, तुमने कितनी सुंदर चीज बनाई है जिसे हम बाहर ढूंढ रहे हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

सेशेल्स का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, मोदी के नाम

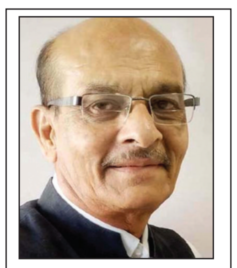

सनत जैन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सेशेल्स की यात्रा के दौरान वहां के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन ऑफ ब्लू होराइजन से सम्मानित किया गया है। भारतीय प्रधानमंत्री वहां के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए वहां पहुंचे थे। इसके साथ ही पीएम मोदी भारत के पहले प्रधानमंत्री बन गए, जिन्हें अभी तक 34 देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा और इस सम्मान को लेकर विवादों का पिटारा भी भारत में खुलता हुआ नजर आ रहा है। सेशेल्स टैक्स हेवन देश है। इस देश की आबादी मात्र 1.1 लाख है। यह अफ्रीका का सबसे छोटा टापू है। इसका कुल क्षेत्रफल 459 वर्ग किलोमीटर है। इसकी गिनती समृद्ध देश के रूप में होती है। इसकी अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से टैक्स हैवन देश के रूप में है। यह देश मत्स्य पालन, पर्यटन और वित्तीय सेवाओं के लिए सारी दुनिया के देशों में पहचाना जाता है। यहां पर मुश्किल से 7 से 8000 भारतीय रहते हैं। इसमें से कुछ वर्षों में लगभग 2000 भारतीयों ने यहां की नागरिकता ली है। शेष भारतीय यहां पर जन्मजात रह रहे हैं। पनामा पेपर लीक में भी इस देश का नाम आया था। उस समय भी इसमें भारतीय नागरिकों के नाम थे। जिन्होंने अपना काला धन वहां जमा किया था। 2014 में जब केंद्र की सरकार बदली, उसके बाद यह माना जा रहा था, सरकार काला धन वापस लाने के लिए विशेष प्रयास करेगी। मोदी सरकार ने पनामा पेपर लीक मामले में जिन लोगों के नाम शामिल थे। 2014 के लोकसभा चुनाव में कालाधन बड़ा चुनावी मुद्दा था। इस समय नरेन्द्र मोदी ने विदेशों में जमा कालाधन वापिस लाने का वायदा किया था। यह भी कहा था, हर परिवार को 15 लाख रूपया यों ही मिल जाएंगे। सेशेल्स जैसे देश से भारतीयों का जमा कालाधन वापस लाने का कोई प्रयास मोदी सरकार ने नहीं किया। उल्टे विगत वर्षों में जिस तरह से टैक्स हेवन देशों का पैसा भारत के शेयर बाजार एवं कारोबार में निवेश किया गया है, उसको लेकर समय-समय पर सवाल उठते रहे हैं। इस मामले में विनोद अडानी का नाम भी सामने आया था। सेबी और सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में बंद कर के रखा है।

इतने छोटे से देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जाना, लगभग तीन दिन तक रुकना, भारत में चर्चा का विषय बन गया है। भारत सरकार का कहना है, सेशेल्स हिंद महासागर का हिस्सा है। समुद्र का एक छोटा द्वीप होते हुए भी भारत के लिए सामरिक और समुद्री व्यापार के लिए उसका बड़ा महत्व है। भारत सरकार पिछले कुछ वर्षों से सेशल्स को जरूरत से ज्यादा तवज्जो दे रही है। पनामा पेपर लीक मामले तथा शेयर बाजार में निवेश को लेकर कई आरोप सामने आ चुके हैं। भारत सरकार ने इस पर चुप्पी साध रखी है। भारत में मोदी सरकार के लिए कई चुनौतियां सामने हैं। अयोध्या के राम मंदिर दान एवं चढ़ावे का मामला इस समय चरम पर है। कुछ ही दिनों बाद मानसून सत्र शुरू होने जा रहा है। कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन शुरू हो गए हैं। विपक्ष बहुत आक्रामक है, मंत्रिमंडल का पुनर्गठन होना है। ऐसी स्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सेशेल्स जाना विवादों में आ गया है। उन्हें जो सर्वोच्च सम्मान दिया गया है, उसमें स्पेलिंग मिस्टेक और पहली बार नया सम्मान दिए जाने के कारण राजनीतिक क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। एक छोटे से टैक्स हेवन देश की यह यात्रा, प्रधानमंत्री मोदी के लिए आगे चलकर कहीं कोई कठिनाई उत्पन्न ना कर दे, इसको लेकर तरह-तरह की आशंकायें व्यक्त की जा रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोई भी काम करें, उन्हें किसी भी स्तर पर कोई नुकसान हो, यह संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने वालों की संख्या कम नहीं है। इस तरह के विरोध होते ही रहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी इस तरह के विरोध पर जरा भी ध्यान नहीं देते हैं। सेशेल्स यात्रा को लेकर जो विवाद उत्पन्न किया जा रहा है, इसका असर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को किसी तरह के नुकसान के रूप में होगा, यह संभव ही नहीं है।

स्वास्थ्य के लिए गंभीर चुनौती है नकली दवाओं का कारोबार

मनोज कुमार अग्रवाल

आज कल देश के हर हिस्से में बड़र पैमाने पर नकली गैर मानक दवाओं के निर्माण और विपणन का धंधा चल रहा है आपको बता दें कि भारत को विश्व का तीसरा सबसे बड़ा दवा निमार्ता होने के कारण इसे विश्व की फामेर्सी भी कहा जाता है। यहां विश्व की 60 प्रतिशत वैक्सीन और 20 प्रतिशत जैनेरिक दवाएं बनती हैं परंतु इनमें मिलावट का धंधा तेजी पकड़ रहा है। प्राण रक्षक दवाएं भी मिलावटी एवं नकली बनने लगी हैं।थोड़ा सा अधिक कमाई करने के चक्कर में बहुत से दवा निमार्ता देश मे गैर मानकीकृत स्तर

की दवा का निर्माण और निर्यात कर रहे हैं।

नकली दवाओं का अवैध कारोबार एक गंभीर वैश्विक संकट है जो मरीजों की जान जोखिम में डालता है और पूरी स्वास्थ्य प्रणाली को नुकसान पहुंचाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, ऐसी दवाएं जिनमें असली साल्ट या सक्रिय सामग्री नहीं होती या गलत मात्रा में होती हैं, वे नकली दवाओं के अंतर्गत आती हैं। एक अनुमान के मुताबिक, वैश्विक दवा बाजार का लगभग 10% हिस्सा नकली दवाओं से प्रभावित है। इसमें जीवन रक्षक दवाएं (कैंसर, लिवर रोग), एंटीबायोटिक्स, दर्द निवारक और जीवनशैली से जुड़ी दवाएं शामिल हैं। ड्रग सिंडिकेट्स अवैध फैक्ट्रियों में खतरनाक रसायनों का उपयोग करके असली जैसी दिखने वाली पैकेजिंग तैयार करते हैं।ये दवाएं पारंपरिक थोक बाजारों के साथ-साथ अनधिकृत ऑनलाइन फार्मेसियों के माध्यम से भी बेची जा रही हैं। एंटीबायोटिक या गंभीर बीमारियों की दवाओं में मुख्य सामग्री न होने से मरीज ठीक नहीं हो पाता। कुछ मामलों में इनमें चूहे मारने का जहर, पेंट थिनर, चाक मिट्टी या भारी मात्रा में फेंटानिल मिला दिया जाता है। दूषित रसायनों के कारण किडनी, लिवर फेल होना या अचानक मौत होने का अत्यधिक खतरा रहता है।

आपको बता दें कि पिछले कुछ समय के दौरान घटिया व नकली दवाओं के सेवन से भारत तथा विश्व के चंद देशों में मौतों के कारण भारत की प्रतिष्ठा को धक्का लगा है। इसके बाद केंद्र सरकार ने घटिया और नकली दवाओं पर रोक लगाने और दवाओं की गुणवत्ता जांचने तथा उनके असली या नकली होने का पता लगाने के लिए दवाएं बनाने वाली इकाइयों की जांच शुरू कर रखी है।इसी श्रृंखला में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सी.डी.एस.सी.ओ.) ने मई, 2026 के लिए जारी मासिक गुणवत्ता निगरानी रिपोर्ट में बताया है कि देश भर में 159 दवा नमूने गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे।

सी.डी.एस.सी.ओ. के अनुसार केंद्रीय औषधि प्रयोग शालाओं ने 46 दवा नमूनों को नॉट आफ स्टैंडर्ड क्वालिटी (एन.एस. क्यू.) घोषित किया जबकि विभिन्न राज्यों

की औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं ने 113 नमूनों को गुणवत्ता मानकों पर विफल पाया। मई, 2026 की रिपोर्ट में असम से किसी अनधिकृत निमार्ता द्वारा बनाई गई एक स्प्यूरियस (नकली) दवा का मामला भी सामने आया जिसने किसी दूसरी कम्पनी के ब्रांड नाम का दुरुपयोग किया।

इसी प्रकार केंद्रीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला मुम्बई द्वारा हृदय रोगियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाला एडेनोसिन इंजैक्शन नकली पाए जाने के बाद हिमाचल प्रदेश के औषधि प्रशासन ने यह इंजैक्शन बनाने वाली कम्पनी का लाइसैंस रद्द कर दिया है।

राजस्थान में 5 प्रसूताओं की मौत के मामले में नकली आक्सीटोसिन इंजैक्शन सप्लाई कारसेवाली कानी का लाइसेंस रहकर दिया गया है। इस संबंध में 23 जून को जारी आदेश के अनुसार अस्पतालों में सप्लाई किए गए टोसिन (आक्सीटोसिन) इंजैक्शन जांच में नकली पाए गए और प्रयोगशाला में परीक्षण में इन इंजैक्शनों में आक्सीटोसिन की मात्रा शून्य पाई गई।जांच में यह भी सामने आया कि उक्त फर्म ने अमृतसर स्थित एक लैबोरेटरी से (जिसका लाइसैंस अब रद्द किया जा चुका है) इसकी कुल 9300 डोज खरीदी थीं जबकि फर्म ने रिकार्ड में 10050 डोज बिकी दिखाई थी। ऐसे में यह जांच भी की जा रही है कि अतिरिक्त 750 इंजैक्शन कहां से आए !

राजस्थान में प्रसूताओं की मौत का मामला अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच गया है तथा विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने इन मौतों के संबंध में मीडिया में प्रकाशित रिपोर्टों के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए भारत सरकार से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यू.एच.ओ.) ने भारत सरकार को यह बताने को भी कहा है कि ये इंजैक्शन भारत के अलावा अन्य देशों में भी सप्लाई किए गए थे या नहीं और यदि ऐसा हुआ है तो किन देशों में सप्लाई हुए हैं ताकि समय रहते रोकथाम और निगरानी की कार्रवाई की जा सके।

इसी प्रकार की घटनाओं को देखते हुए केंद्र सरकार ने देश के स्वास्थ्य क्षेत्र में रोगियों की सुरक्षा तथा दवाओं की विश्वसनीयता यकीनी बनाने के लिए अब नकली और घटिया दवाओं के हानिकारक जाल को तोड़ने के लिए वैक्सीन, एंटी कैंसर और नार्कोटिक्स दवाओं पर क्यू.आर. कोड या बार कोड लगाना अनिवार्य कर दिया है ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोगों की मौत नकली दवाओं के कारण न हो।क्यू.आर. कोड में दवाई का अनूठा पहचान कोड, जैनेरिक और ब्रांड नाम, कम्पनी का नाम पता, बैच नंबर आदि सभी जरूरी जानकारियां दर्ज होंगी और बार कोड के खुलते ही दवाई के असली या नकली होने का पता चल जाएगा।

कैंसर जैसी बीमारी से रोगियों को बचाने के लिए क्यू. आर. कोड का नियम लागू करना सही है परंतु यह

आदेश केवल कुछ चुनिंदा रोगों की दवाओं के लिए नहीं बल्कि सभी दवाओं पर लागू करना चाहिए ताकि नकली दवाएं किसी की मौत का कारण न बनें। इसके साथ ही ऐसे कृत्यों में शामिल अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करके उन्हें उचित दंड दिया जाए।

केंद्र सरकार ने देश के शीर्ष दवा ब्रांडों की पैकेजिंग पर अनिवार्य क्यूआर कोड लागू किया है, जिसे स्कैन करके दवा की प्रामाणिकता जांची जा सकती है। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और ड्रग्स विभाग की टीमें लगातार अवैध सिंडिकेट्स पर छापेमारी कर करोड़ों का नकली कच्चा माल जब्त कर रही हैं। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट के तहत नकली दवाएं बनाने और बेचने वालों के खिलाफ कठोर सजा और गैर-जमानती धाराओं में कार्रवाई की जा रही है। उपभोक्ता को दवाएं हमेशा लाइसेंस प्राप्त और भरोसेमंद मेडिकल स्टोर या प्रमाणित फार्मेसियों से ही खरीदें। दवा के पत्तों पर स्पेलिंग की गलतियां, धुंधली छपाई, और सील टूटी होने जैसी विसंगतियों पर ध्यान दें। पैकेजिंग पर मौजूद क्यूआर कोड को मोबाइल से स्कैन करके बैच नंबर और निमार्ता की जानकारी को सत्यापित करें।हर खरीद पर कैश मेमो या पक्का बिल जरूर लें, जिस पर बैच नंबर और एक्सपायरी डेट स्पष्ट लिखी हो। यदि दवा लेने पर कोई असर न हो या पैकेजिंग संदिग्ध लगे, तो तुरंत अपने डॉक्टर को बताएं और केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास शिकायत दर्ज कराएं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं..

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, 'जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।' इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

भाजपा क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर का हसनपुर में किया गया भव्य स्वागत

विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि नागर के नेतृत्व में संगठन होगा और सशक्त, योजनाएं जन-जन तक पहुंचेंगी

हसनपुर (अमरोहा):- भारतीय जनता पार्टी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त क्षेत्रीय अध्यक्ष नवाब सिंह नागर का सोमवार को हसनपुर विधानसभा में प्रथम आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। हसनपुर विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने क्षेत्रवासियों और कार्यकताओं के साथ पुष्पगुच्छ व विशाल पुष्पमाला पहनाकर उनका अभिनंदन किया। विधायक महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने कहा कि नवाब सिंह नागर के कुशल नेतृत्व में संगठन और अधिक सशक्त होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही जनकल्याणकारी नीतियों व संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ेगा। उन्होंने नागर को नवीन दायित्व के लिए शुभकामनाएं दीं। स्वागत समारोह में जिलाध्यक्ष उदयगिरि गोस्वामी, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल, हिमांशु त्यागी, शुभम जालान, पूर्व विधायक कमलेश सैनी, क्षेत्र पंचायत सदस्य देवेंद्र खड़गवंशी, मंडल अध्यक्ष राजू राणा, कल्याण सिंह सैनी, राजीव गोयल, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष शिखर अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, शिवकुमार खड़गवंशी, हेमराज सैनी, डॉ. प्रेम सिंह, हरद्वारी सिंह खड़गवंशी, देवेंद्र सिंह धोरिया, देवकीनंदन पाल, विजय पांडेय, संजय राणा समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता व क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

गजरौला में कानूनगो को एंटीकरप्शन टीम ने 10 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथ दबोचा

हसनपुर तहसील में तैनात थे कानूनगो अरविंद कुमार शर्मा, किसान से काम के बदले मांगी थी रिश्वत

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला नगर कोतवाली में एक कानूनगो को एंटी करप्शन टीम ने 10000 की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। इस कार्यवाही को एंटी करप्शन टीम द्वारा सोमवार की दोपहर को नगर स्थित एक मिठाई की दुकान पर किया गया। बताया जा रहा है कि कानूनगो ने एक किसान से राजस्व संबंधी कार्य करने के लिए दस हजार की रिश्वत मांगी थी। बता दें कि सोमवार की दोपहर गजरौला नगर कोतवाली में भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एंटी करप्शन टीम ने हसनपुर में तैनात कानूनगो अरविंद कुमार को दस हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद, एंटी करप्शन टीम आरोपी कानूनगो को लेकर थाने पहुंची और उसके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही शुरू कर दी। इस कार्यवाही की सूचना से हसनपुर तहसील व राजस्व विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और दर्जनों से अधिक संख्या में तहसील के कर्मचारी नगर कोतवाली पहुंच गये। मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक बताया गया कि एक किसान ने अपने राजस्व संबंधी कार्य के लिए कानूनगो अरविंद कुमार शर्मा से संपर्क किया था। आरोप है कि कानूनगो ने इस कार्य को करने के बदले किसान से 10 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। इसके बाद किसान ने एंटी करप्शन संगठन से इसकी शिकायत की। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एंटी करप्शन टीम ने एक जाल बिछाया। सोमवार को तय योजना के अनुसार, गजरौला स्थित एक स्वीट्स की दुकान पर किसान ने कानूनगो को रिश्वत की रकम सौंपी। जैसे ही कानूनगो ने 10 हजार रुपये अपने कब्जे में लिए, पहले से मौके पर मौजूद एंटी करप्शन टीम ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। एंटी करप्शन टीम आरोपी कानूनगो के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि रिश्वतखोरी के मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही या भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने मनाया प्रो. रामगोपाल यादव का जन्मदिन

केक काटकर दीघार्यु व उत्तम स्वास्थ्य की कामना की

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड गणेश्वरी के ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह खड्गवंशी ने रविवार को अपने निज आवास हसनपुर में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव का जन्मदिन मनाया। उन्होंने केक काटकर उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। खड़कवंशी ने प्रो. यादव को समाजवादी आंदोलन का मजबूत स्तंभ और कुशल रणनीतिकार बताते हुए कहा कि वे करोड़ों कार्यकताओं के प्रेरणास्त्रोत हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि वे सदैव स्वस्थ रहें तथा अपने अनुभव और दूरदर्शी नेतृत्व से देश व समाज को नई दिशा देते रहें। इस अवसर पर पूर्व नगर अध्यक्ष हाजी बाबू कुरैशी, रूबी कौसर, एहतेशाम बाबू, डॉ. याकूब अली, बब्बू सैफी, यूसुफ अब्बासी, अखिल हुसैन, जाकिर अंसारी, शकील ठेकेदार, आबिद मुजाहिद, इमरान समेत समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गजरौला में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगाए गए 6 नए सीसीटीवी कैमरे लगे

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना गजरौला क्षेत्र में ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत रविवार को 6 नए सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए। पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव के निर्देशन में चल रहे इस अभियान का मकसद अपराध रोकथाम और कानून-व्यवस्था को मजबूत करना है। आपको बता दे कि अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के पर्यवेक्षण तथा सीओ धनौरा अंजली कटारिया व थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में सीसीटीवी कैमरों को लगाया गया है। पुलिस ने बताया कि कैमरों से संदिग्ध गतिविधियों पर 24 घंटे निगरानी होगी, जिससे आपराधिक घटनाएं घटने से पहले ही रोकी जा सकेंगी। थाना गजरौला पुलिस इससे पहले भी होटलों, तिराहों-चौराहों पर सीसीटीवी लगवा चुकी है, जो अपराध नियंत्रण में मददगार साबित हो रहे हैं। पुलिस ने कैमरे लगवाने वाले नागरिकों को सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया है। वहीं पुलिस ने आमजन से अपील की है कि कस्बों व गांवों के मुख्य चौराहों और आवागमन मार्गों पर अधिक से अधिक सीसीटीवी कैमरे लगवाएं, ताकि क्षेत्र को सुरक्षित बनाया जा सके।

मंडी धनौरा क्षेत्र में पेड़ पर लटका मिला युवक का शव

परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से किया इन्कार,पुलिस ने शव परिजनों को सौंपा

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा थाना क्षेत्र में एक युवक का शव गांव के निकट एक खेत में पेड़ पर लटका मिला जिससे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंच गई जिसने घटनास्थल का मुआयना किया और मौके पर मौजूद परिजनों से शव का पोस्टमार्टम करने की बात कही तो परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इन्कार कर दिया जिसके बाद मामले में नियम अनुसार कार्रवाई करते हुए शव का पंचनामा भरकर परिजनों को सौंप दिया गया।मृतक अपने पीछे दो बेटे और एक बेटी छोड़ कर गया है। बता दें कि मामले में प्राप्त जानकारी के मुताबिक शेरपुर निवासी 32 वर्षीय गुड्डू पुत्र चरन सिंह का शव सोमवार सुबह गांव के निकट खेत में एक पेड़ से लटका मिला। शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई उधर इस घटना से परिजनों और ग्रामीणों में शोक फैल गया। सूचना मिलने पर मंडी धनौरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होना बताया गया। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने की इच्छा जताई। बाद में नियमानुसार कार्रवाई करते हुए पंचनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।परिजनों के मुताबिक, गुड्डू परिवार के साथ गांव में रहता था। उसकी मृत्यु से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल बना हुआ है।पुलिस का कहना है कि मामले में आवश्यक कार्रवाई की गई है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है।

यूपी शिक्षक पात्रता परीक्षा की तैयारियों को लेकर डीएम डॉ. नितिन गौड़ ने की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा जनपद में 02, 03 एवं 04 जुलाई 2026 को आयोजित होने वाली उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) की तैयारियों को लेकर जिला मजिस्ट्रेट डॉ. नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में सेक्टर एवं स्टेटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापकों तथा सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि शिक्षक पात्रता परीक्षा एक महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील परीक्षा है। इसे पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं नकलविहीन वातावरण में संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों एवं निर्देश पुस्तिका का गहन अध्ययन कर अपने दायित्वों का जिम्मेदारीपूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) जनपद में 12 परीक्षा केंद्रों पर संपादित होगी जिन पर कुल 28440 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे। प्रथम पाली पूर्वान्ह 09:30 से 12:00 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपरान्ह 02:30 से 05:00 बजे तक आयोजित होगी। ए0के0के0 इंटर कालेज, भगवत सरन इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, राजकीय इंटर कालेज, आइ0एम0 इंटर कालेज, जे0एस0एच0 इंटर कालेज, जेएस हिंदू पीजी कालेज अमरोहा ब्लाक-ए, जे0एस0 हिंदू पीजी कालेज अमरोहा ब्लाक-बी, कुंदन माडल इंटर कालेज, ज्ञान भारती इंटर कॉलेज गजरौला, शिव इंटर कॉलेज गजरौला और सिख इंटर कालेज। डॉ. नितिन गौड़ ने कहा कि सभी परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखी जाए। अभ्यर्थियों की जांच के लिए पुरुष एवं महिला कार्मिकों की अलग-अलग ड्यूटी लगाई जाए तथा परीक्षा केंद्र के अंदर तैनात प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी अपना फोटोयुक्त पहचान पत्र अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे पूरी तरह कार्यशील रहें और परीक्षा की प्रत्येक गतिविधि पर सतत निगरानी रखी जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा केंद्रों पर ठंडे पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ शौचालय, बैठने की समुचित व्यवस्था तथा आवश्यकतानुसार जनरेटर की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। साथ ही अभ्यर्थियों के बैग एवं अन्य सामान रखने के लिए क्लॉक रूम की व्यवस्था भी की जाए, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होने निर्देश दिए कि सभी मजिस्ट्रेट निरीक्षण कर परीक्षा केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाओं की जांच कर लें अगर कहीं कोई कमी पाई जाती है तो उसको शीघ्रता से दुरुस्त कर लें। सीएमओ को निर्देश दिए कि सभी केंद्रों पर मेडिकल टीम और एम्बुलेंस उपलब्ध रहे। परीक्षा केंद्र के भीतर मोबाइल फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस, यूएसबी ड्राइव, कैमरा, डिजिटल पेन सहित सभी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पूर्णतः प्रतिबंधित रहेंगे। परीक्षा की गोपनीयता एवं शुचिता भंग करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित की जाएगी। यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने, परीक्षा केंद्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ न होने देने तथा संवेदनशील केंद्रों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर जिलाधिकारी न्यायिक धीरेन्द्र प्रताप सिंह, उपजिलाधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ0 प्रवेश कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बछरायूं क्षेत्र में युवक का तमंचे के साथ वीडियो वायरल,पुलिस ने शुरू की तलाश

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना क्षेत्र में एक युवक का तमंचे के साथ वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में युवक तमंचे में कारतूस लगाता दिखाई दे रहा है।वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए थाना पुलिस ने युवक की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि सोमवार को थाना बछरायूं क्षेत्र में एक युवक का तमंचे के साथ वीडियो वायरल हुआ।वायरल वीडियो में युवक हाथ में तमंचा लेकर उसमें कारतूस लगाता दिखाई दे रहा है। यह घटना बछरायूं थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले की बताई जा रही है। पुलिस महकमे में इस वीडियो को लेकर सक्रियता बढ़ गई है।बछरायूं थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि वायरल वीडियो पुलिस के संज्ञान में है। वीडियो के आधार पर युवक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस टीम आरोपी की तलाश में उसके घर पर भी दबिश देने गई थी, लेकिन वह फिलहाल फरार है।थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था को ताक पर रखकर हथियार चमकाने वाले ऐसे तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा।आरोपी की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द ही युवक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एवं राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक संपन्न

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में कर-करेत्तर एवं राजस्व कार्यों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने निर्देश दिए कि विभिन्न माध्यमों से प्राप्त होने वाले राजस्व की शत-प्रतिशत वसूली की जाए। डीएम ने भू राजस्व, परिवहन, स्टांप, आबकारी, खनिज, नगर निकाय, गन्ना, वाणिज्य कर, मंडी, सिंचाई, वाहन कर, बांट माप, बैंक, विद्युत एवं अन्य विभिन्न विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली की समीक्षा करते हुए कहा कि जो शासन द्वारा लक्ष्य निर्धारित किया गया है उसी के सापेक्ष सभी विभाग प्रगति प्राप्त करें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों से कहा कि आरसी वसूली शत-प्रतिशत सुनिश्चित कराएं। तहसीलदार वसूली पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने उप जिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि राजस्व वादों में दायरे के अनुसार निस्तारण सुनिश्चित कराएं। साथ ही पुराने वादों का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित कराएं। सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि समय सीमा निर्धारित कर आरसी का मिलान कर विसंगतियां दूर करते हुए वसूली करें।आरसी वसूली की जानकारी प्राप्त की और निर्देश दिए कि ऐसे बडे बकायेदार जो वसूली जमा नहीं कर रहे, आवश्यक कार्रवाई करते हुए, उनकी संपत्ति कुर्क की जाए। सभी उप जिला अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमीनवार वसूली की समीक्षा करें, सबसे कम वसूली करने वाले अमीनों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। तहसीलदारों को हिदायत देते हुए कहा कि बड़े बकायेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए, इसमें लापरवाही बरतने पर संबंधित के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। आय और निवास प्रमाण पत्र के तहसीलवार लंबित प्रकरणों की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश संबंधित को दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी राजस्व वादों का निस्तारण निर्धारित समय-सीमा एवं दायरे के अनुसार सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से पुराने लंबित वादों को प्राथमिकता देकर शीघ्रता से निपटारा किया जाए। जिलाधिकारी ने जिन विभागों की कम वसूली हुई थी उन पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि लक्ष्य के सापेक्ष अभियान चलाते हुए वसूली की जाए। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रवर्तन कार्य को प्रभावी रूप से सम्पादित करते अधिक से अधिक राजस्व प्राप्ति की जाए।

निकायों में चल रहे जीआईएस सर्वे कार्य को शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक से अनुपस्थित रहने पर डीएफओ का स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह सहित समस्त एसडीएम, तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण को लेकर अंतरविभागीय बैठक, सीडीओ ने दिए निर्देश

जलभराव वाले गांवों में लावीसाईडल डालने, आशाओं को दवा उपलब्ध कराने पर जोर

अमरोहा (सब का सपना):- कलेक्ट्रेट स्थित गांधी सभागार में सोमवार को विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान जुलाई 2026 की द्वितीय अंतरविभागीय समन्वय बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता और मुख्य चिकित्सा अधिकारी की मौजूदगी में सभी विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। सीडीओ ने 22 जून की बैठक के कार्यवृत्त की समीक्षा की। सीएमओ ने बताया कि सभी ब्लॉकों में ब्लॉक टास्क फोर्स की गतिविधियां पूरी कर ली गई हैं। सीडीओ ने सभी विभागों को माइक्रोप्लान के अनुसार काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जहां लगातार जलभराव रहता है, वहां लावीसाईडल और बीटीआई पाउडर डलवाएं। चिकित्सा अधीक्षकों को एडीओ पंचायत से सहयोग लेने को कहा गया। सीएमओ ने बताया कि आशाओं को स्टॉप डायरिया अभियान के तहत 50 ओआरएस और 10 जिंक की टेबलेट दी गई हैं। सीडीओ ने निर्देश दिए कि आशाओं को शत-प्रतिशत लावीसाईडल उपलब्ध कराया जाए। प्रत्येक ब्लॉक में संतोषजनक कार्य न करने वाली 10-12 आशाओं को चिन्हित कर सूची देने को कहा। बैठक में बताया गया कि हसनपुर में चिकित्सा अधीक्षक ने बीडीओ के सहयोग से ग्राम सहेलियां में जलभराव वाले क्षेत्र में मिट्टी भराव का कार्य कराया। सीडीओ ने जिला मलेरिया अधिकारी को जनसंख्या व क्षेत्रफल के हिसाब से दवा वितरण करने, बीडीओ पंचायत से डिमांड लेने और नगरीय क्षेत्र में अधिशासी अधिकारियों से फीडबैक लेने के निर्देश दिए। 11 से 30 जुलाई तक दस्तक अभियान चलेगा। इसकी मॉनिटरिंग सीएस प्रो एप से होगी। सीडीओ ने शिक्षा विभाग को स्कूल रैली में बच्चों को संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरूक करने और हर रविवार मच्छर पर वार कार्यक्रम चलाने को कहा। खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सड़े-गले फल न बेचने देने के लिए जांच के निर्देश दिए गए। सीएमओ ने बताया कि हीट स्ट्रोक और डायरिया के मरीजों को इमरजेंसी स्तर पर इलाज दिया जाए। हर चिकित्सा इकाई में कोल्ड रूम की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य पशु अधिकारी ने शूकर पालकों को बस्ती से दूर शूकर पालन के लिए जागरूक करने की बात कही।

सीबीआरसेटी में सामान्य ईडीपी बैच का सफल समापन, प्रशिक्षुओं का हुआ मूल्यांकन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- सीबीआरसेटी(आरसेटी) बहजोई में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत आयोजित 13 दिवसीय सामान्य उद्यमिता विकास कार्यक्रम (ईडीपी) का सोमवार को सफलतापूर्वक समापन हो गया। प्रशिक्षण में जनपद संभल के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से आए युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वरोजगार की दिशा में आवश्यक व्यावहारिक एवं तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं। 16 जून से शुरू हुए इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशलों से सशक्त करना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को व्यवसाय की योजना तैयार करने, उद्यम की स्थापना, वित्तीय प्रबंधन, बैंक ऋण की

प्रक्रिया, विपणन रणनीति, ग्राहक व्यवहार तथा व्यवसाय संचालन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण को अधिक प्रभावी और व्यवहारिक बनाने के लिए रिंग टॉस, टॉवर बिल्डिंग, बोट मेकिंग तथा माइक्रो लैब जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इन अभ्यासों के माध्यम से प्रतिभागियों में नेतृत्व क्षमता, टीम भावना, समस्या समाधान, जोखिम उठाने की क्षमता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की योग्यता का विकास किया गया। कार्यक्रम के अंतिम दिन प्रशिक्षुओं का मूल्यांकन ईडीपी असेसर राजीव कुमार (चंदौसी) द्वारा किया गया। मूल्यांकन के माध्यम से प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान और कौशल का परीक्षण किया गया। संस्थान की ओर से प्रशिक्षुओं को बताया गया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रदान किया जाने वाला प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के अंतर्गत बैंक ऋण प्राप्त करने में सहायक होगा। इसके माध्यम से युवा अपना स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा सकेंगे। प्रशिक्षण अवधि के दौरान सभी प्रतिभागियों के लिए संस्थान की ओर से नाश्ता एवं दोपहर के भोजन की समुचित व्यवस्था भी की गई। समापन समारोह में प्रशिक्षुओं ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताते हुए संस्थान एवं प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान और अनुभव का उपयोग कर सफल उद्यमी बनने तथा रोजगार सृजन में अपनी भूमिका निभाने का संकल्प भी लिया।

पिकअप और ट्रैक्टर की आमने-सामने टक्कर में युवक गंभीर रूप से घायल, जिला अस्पताल रेफर

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई क्षेत्र में सोमवार सुबह तड़के आगरा-मुरादाबाद हाईवे पर एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। कठेरिया पेट्रोल पंप के पास पिकअप वाहन और ट्रैक्टर की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में पिकअप सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल युवक की पहचान विवेक (25) पुत्र हुकुम सिंह, निवासी ग्राम नासिरपुर, थाना जुनावई, जनपद

संभल के रूप में हुई है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत कार्य शुरू किया और 108 एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायल विवेक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बहजोई लाया गया। सीएचसी बहजोई में चिकित्सकों ने युवक का प्राथमिक उपचार किया, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसे बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल संभल रेफर कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा सुबह तड़के हुआ, ट्रैक्टर चालक के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल सकी। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके की जानकारी जुटाई और दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। पुलिस हादसे के वास्तविक कारणों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। वहीं इस हादसे ने एक बार फिर हाईवे पर तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चलाने के खतरे को उजागर कर दिया है।

भामाशाह जयंती पर सपाईयों ने मनाया व्यापारी कल्याण दिवस, व रामगोपाल यादव का जन्मदिन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार सोमवार को बहजोई में भामाशाह जयंती को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित बैठक में व्यापारियों के योगदान, राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका तथा भामाशाह के आदर्शों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव का जन्मदिन भी उत्साहपूर्वक मनाया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा कि दानवीर भामाशाह ने मेवाड़ के संकटकाल में महाराणा प्रताप को अपनी संपूर्ण संपत्ति दान कर राष्ट्र

और स्वाभिमान की रक्षा में ऐतिहासिक योगदान दिया था। उनका त्याग इस बात का प्रतीक है कि व्यापारी वर्ग केवल धन अर्जित करने वाला नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण सहभागी भी होता है। उन्होंने कहा कि भामाशाह एक कुशल प्रशासक, अर्थशास्त्री और राष्ट्रभक्त व्यापारी थे। उन्होंने व्यापार से अर्जित धन को मातृभूमि की रक्षा के लिए निस्वार्थ भाव से समर्पित किया। व्यापारी कल्याण दिवस का उद्देश्य आज के व्यापारी वर्ग को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर ईमानदारी से व्यापार करने, करों का समय पर भुगतान कर राष्ट्र निर्माण में सहयोग देने तथा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और उसके कल्याण में ही समाज एवं प्रदेश का विकास निहित है। भामाशाह के आदर्शों का अनुसरण करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बैठक के दौरान समाजवादी पार्टी के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव का जन्मदिन भी केक काटकर मनाया गया। कार्यकताओं ने उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीघार्यु और सफल सार्वजनिक जीवन की कामना की।

भामाशाह जयंती पर युवा व्यापार मंडल का संकल्प, हर छोटे-बड़े व्यापारी के साथ रहेगा संगठन

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई द्वारा सोमवार को बड़ा बाजार स्थित सुपर मार्केट में दानवीर भामाशाह की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन युवा इकाई के नगर अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू के नेतृत्व में हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में व्यापारियों ने भाग लेकर भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।कार्यक्रम के दौरान युवा व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि संगठन प्रत्येक व्यापारी के हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेगा, चाहे वह छोटा व्यापारी हो या बड़ा। साथ ही समाज सेवा के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने का भी संकल्प लिया गया। नगर अध्यक्ष

अनुज वार्ष्णेय अन्नू ने कहा कि दानवीर शिरोमणि भामाशाह का त्याग, राष्ट्रभक्ति और समर्पण पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि जब महाराणा प्रताप मातृभूमि की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे थे, तब भामाशाह ने अपनी जीवनभर की कमाई राष्ट्रहित में समर्पित कर इतिहास में अमिट उदाहरण प्रस्तुत किया। आज के युवा व्यापारियों को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर ईमानदारी के साथ व्यापार करने के साथ-साथ समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की युवा इकाई व्यापारियों की हर समस्या और संकट की घड़ी में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी रहेगी। संगठन का उद्देश्य केवल व्यापारियों के हितों की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि समाज सेवा और जनहित के कार्यों में भी सक्रिय भूमिका निभाना है।

कार्यक्रम में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, नए व्यापारियों को जोड़ने तथा स्थानीय व्यापारियों की समस्याओं के समाधान को लेकर भी चर्चा की गई। युवा इकाई के पदाधिकारियों ने भामाशाह के पदचिह्नों पर चलने तथा व्यापार में ईमानदारी, सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर निशांत शर्मा, उमेर शम्सी, सोनू अग्रवाल, संजू, दीपक, कमल, राजू चड्ढा, महताब, बबलू, अमित सहित संगठन के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय व्यापारी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना का किया जा रहा व्यापक प्रचार

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद अमरोहा में श्रम विभाग द्वारा प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के तहत असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को पेंशन योजना से जोड़ने के लिए जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान जिला श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोनिका गौतम ने योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि यह योजना विशेष रूप से असंगठित कर्मकारों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है।मोनिका गौतम ने बताया कि योजना में शामिल होने के लिए कर्मकार की मासिक आय 15,000 रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। आवेदक के पास अपने नाम

का बचत बैंक खाता और आधार कार्ड अनिवार्य है। योजना में शामिल होने की आयु सीमा 18 वर्ष से 40 वर्ष तक निर्धारित है। 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद पात्र श्रमिक को न्यूनतम 3,000 रुपये प्रतिमाह पेंशन का लाभ मिलेगा।उन्होंने आगे बताया कि यदि कोई आवेदक 60 वर्ष की आयु से पहले मृत्यु का शिकार हो जाता है तो उसकी पति या पत्नी योजना को जारी रखने का हकदार होगा और उसे 50 प्रतिशत पेंशन राशि प्राप्त होगी। श्रम विभाग के अधिकारियों का कहना है कि अमरोहा जनपद में बड़ी संख्या में असंगठित श्रमिक कार्यरत हैं, जिन्हें इस योजना का लाभ दिलाने के लिए विशेष शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों और बाजारों में जाकर लोगों को पंजीकरण की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज और लाभों के बारे में विस्तार से बता रहे हैं। इस योजना से जुड़कर असंगठित क्षेत्र के मजदूर, ठेलेवाले, रिक्शा चालक, घरेलू कामगार, किसान मजदूर आदि अपनी बुढ़ापे की चिंता से मुक्त हो सकते हैं। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति इस योजना में पंजीकृत हों।

रोटरी क्लब मिडटाउन की नई कार्यकारिणी ने संभाला पदभार, उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्य सम्मानित

संभल(सब का सपना):- जनपद के रोटरी क्लब मिडटाउन द्वारा रविवार को गोल्डन स्पून रेस्टोरेंट में सत्र 2025-26 के समापन, धन्यवाद एवं सम्मान समारोह के साथ सत्र 2026-27 के पदभार ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों एवं उनके परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रशांत वार्ष्णेय ने वर्षभर मिले सहयोग के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयासों से क्लब ने स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, रक्तदान और विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। समारोह में सामाजिक सेवा एवं विभिन्न अभियानों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को सम्मानित किया गया।

रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए गौरव वार्ष्णेय, अमित गुप्ता, अमन वार्ष्णेय, शिवांश अग्रवाल, पंकज ठाकुर सहित अन्य रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया। वहीं सफल कांवड़ सेवा आयोजन के लिए मनोज वार्ष्णेय एवं पंकज ठाकुर, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पूल पार्टी के सफल आयोजन के लिए प्रभात रस्तोगी, शिवांश अग्रवाल और निखिल शर्मा तथा सद्भावना दिवस एवं नगर कीर्तन के सफल आयोजन के लिए क्विटी गंभीर और नीरज भारद्वाज को सम्मानित किया गया। समाज सेवा में विशिष्ट योगदान के लिए टिंकू टंडन, वेद चहल, विशाल मोंगिया, मनीष अग्रवाल और प्रियांशु वार्ष्णेय को सम्मानित किया गया। 45 बार स्वैच्छिक रक्तदान करने वाले सुमित वार्ष्णेय को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। इसके अलावा आलोक गुप्ता, चंद्रेश आर्य, प्रवीण वर्मा, पराग आर्य और शुभम वार्ष्णेय को भी विभिन्न सेवा कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। वरिष्ठ रोटेरियन अवधेश वार्ष्णेय एवं प्रिय रत्न आर्य को रोटरी और समाज सेवा के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए विशेष सम्मान से नवाजा गया। क्लब में शामिल हुए नए सदस्यों विपिन गुप्ता, अमित वार्ष्णेय, पवन एवं क्षितीज का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। समारोह के दौरान सत्र 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी ने विधिवत पदभार ग्रहण किया। सुमित अग्रवाल ने अध्यक्ष तथा गौरव वार्ष्णेय ने सचिव पद की जिम्मेदारी संभाली। निवर्तमान अध्यक्ष डॉ. प्रशांत वार्ष्णेय ने नए अध्यक्ष को कॉलर पहनाकर पदभार सौंपा। इसके बाद सदस्यों ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। नवगठित कार्यकारिणी ने रोटरी की सेवा, मित्रता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए जनहित के कार्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का समापन रोटरी फेलोशिप, आपसी सौहार्द एवं स्नेहभोज के साथ हुआ।

गजरौला पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत युवक को किया गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद की गजरौला पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। बता दें कि अमरोहा जनपद में पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन में एवं क्षेत्राधिकार धनौरा अंजलि कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में एवं प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार के कुशल

नेतृत्व में थाना गजरौला पुलिस द्वारा एक अभियुक्त जंग बहादुर उर्फ मोहित पुत्र जसवंत निवासी ग्राम सुल्तानठेर मुहम्मदपुर थाना गजरौला, जनपद अमरोहा को आर्म्स एक्ट के तहत एक तमंचे 315 बोर के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके खिलाफ पुलिस ने अपराध की संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है। इस मामले में पुलिस द्वारा दी गई जानकारी अनुसार सोमवार को उपनिरीक्षक सुभाष चौहान द्वारा थाना गजरौला, अमरोहा की फर्द के आधार पर

थाना हाजा पर उक्त गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा पंजीकृत किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर बरामद किया गया जिसके बाद पुलिस गिरफ्तार अभियुक्त के खिलाफ वैधानिक कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया गया है।

बछरायूं क्षेत्र में चोरों का आतंक,तीन खंबों से बिजली के तार किए चोरी,पुलिस को देख भागे चोर

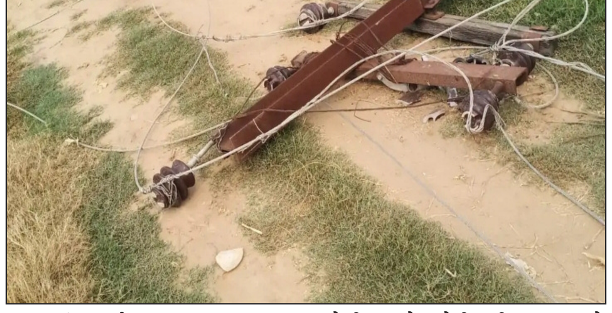

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना क्षेत्र में चोरों का आतंक इतना बढ़ गया है कि अब उन्होंने किसानों को भी परेशान करना शुरू कर दिया है। एक तो किसान तपती गर्मी और बारिश न होने की वजह से अपनी फसलों को लेकर बेहद चिंतित दिखाई दे रहा है उधर चोर किसानों की सिंचाई व्यवस्था को ठप करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। रविवार की रात चोरों ने थाना क्षेत्र के गांव जोगीपुरा में चोरी की घटना को अंजाम देते हुए तीन खंबों से एलटी और मेन लाइन की तार काट ली जिससे किसान गजेंद्र सिंह ,पप्पू ,अरुण और सुनील धारीवाल सहित कई अन्य किसानों की बिजली व्यवस्था बिल्कुल ठप हो गई। बता दें कि चोरी की इस घटना में बछरायूं के 132 केवीए बिजली घर से जोगीपुरा गांव को जाने वाली 11 हजार की विद्युत लाइन से यह तार काटे गए जो चाऊपुरा और सकरथली तक जाती है। ग्रामीणों को जब सिंचाई के लिए खेतों में जाने पर तार कटे हुए मिले तो उन्होंने इसकी सूचना तुरंत गांव में दी।सूचना मिलते ही ग्रामीणों ने बछरायूं थाना पुलिस को सूचित किया। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने मामले की गंभीरता को देखते हुए भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर कॉम्बिंग शुरू कर दी। पुलिस की घेराबंदी और सक्रियता को भांपकर चोर कीमती तार को मौके पर ही छोड़कर भागने में कामयाब रहे। पुलिस ने मौके से एक रेता-बुग्गी बरामद की है, जिसका उपयोग चोरों ने तार ले जाने के लिए किया था।इस बड़ी वारदात के बावजूद बछरायूं एसडीओ रविन्द्र चौहान को घटना की जानकारी नहीं थी। थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि क्षेत्र में सघन चेकिंग और कॉम्बिंग की गई है, और जल्द ही चोरों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बछरायूं में दहेज उत्पीड़न व बलात्कार के प्रयास में पति,जेठ समेत 6 पर केस दर्ज

थाना पुलिस द्वारा न्यायालय के आदेश पर की गई कार्यवाही

बछरायूं/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के बछरायूं थाना क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न एवं बलात्कार के प्रयास के मामले में थाना पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर ससुराल पक्ष के पति ,जेठ समेत 6 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। थाना पुलिस द्वारा इस कार्यवाही को न्यायालय के आदेश पर किया गया है और मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। बता दें कि इस मामले में पुलिस से प्राप्त जानकारी के मुताबिक महिला ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया था कि विवाह के बाद से उसे विभिन्न कारणों से परेशान किया जाता

रहा।शिकायत में अतिरिक्त दहेज की मांग और पारिवारिक प्रताड़ना से संबंधित बातें भी उल्लेखित की गई हैं। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मई 2026 में उसके साथ एक गंभीर घटना हुई, जिसके बाद उसने संबंधित अधिकारियों से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की थी। महिला का कहना है कि अपेक्षित कार्रवाई न होने पर उसने न्यायालय की शरण ली। न्यायालय के आदेश पर बछरायूं थाना पुलिस ने पति, जेठ, जेठानी, ससुर सहित छह नामजद लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।थाना प्रभारी कुलदीप तोमर ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। मामले की जांच की जा रही है तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

बाहर की दवा लिखने के आरोप में सीएचसी पर अनिश्चितकालीन धरना, चिकित्सक को हटाने की मांग

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद बिजनौर के कस्बा अफजलगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में तैनात एक चिकित्सक पर मरीजों को अस्पताल के बजाय बाहर की मेडिकल दुकानों से दवाइयां लिखने का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान सामाजिक संगठन ने सोमवार को सीएचसी परिसर के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। संगठन के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिससे उन्हें धरना देने के लिए मजबूर होना पड़ा। धरने का नेतृत्व संगठन के जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा और नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी ने किया। इस दौरान कार्यकताओं ने चिकित्सक को तत्काल सीएचसी से हटाने, पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। धरना स्थल पर संगठन के कार्यकताओं ने डॉ प्रमोद देशवाल के खिलाफ नारेबाजी भी की। जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा ने कहा कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले गरीब और जरूरतमंद मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों के बजाय बाहर की मेडिकल दुकानों से दवाएं लिखी जा रही हैं। इससे आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस संबंध में संगठन की ओर से कई बार उपजिलाधिकारी धामपुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर और जिलाधिकारी को शिकायत दी गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने बताया कि 18 जून को भी संबंधित मामले में लिखित शिकायत प्रशासन को सौंपी गई थी। इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। संगठन का दावा है कि उसके पास शिकायतों से जुड़े पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हैं, जिनके आधार पर संबंधित चिकित्सक के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। वही नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी ने कहा कि यदि सरकारी अस्पताल में मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ें तो सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का उद्देश्य प्रभावित होता है। उन्होंने शासन प्रशासन से जनहित में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग करते हुए कहा कि जब तक चिकित्सक को हटाकर निष्पक्ष जांच शुरू नहीं की जाती, तब तक धरना जारी रहेगा। धरने के दौरान कार्यकताओं ने कहा कि यदि प्रशासन ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी। उधर प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ. सर्वेश निराला ने बताया कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को दे दी गई है। शिकायत की जांच कराई जाएगी तथा जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

धरने में राष्ट्रीय सचिव ज्ञानचंद प्रजापति, जिला उपाध्यक्ष आरेन्द्र शर्मा, नगर अध्यक्ष अब्दुल बारी, सुशील कुमार, इकरार अहमद, अहसान शाही, साजिद सैफी, आसिम अंसारी,अफसर हुसैन फरीद अहमद, इमामुद्दीन कस्सार, जलालुद्दीन, मुस्ताकीम अहमद, मोहम्मद अकरम, यामीन अहमद,मिस्बाउद्दीन अहमद, समीम अहमद, ईदरीश अहमद, सुनील कुमार, जितेन्द्र कुमार सहित बड़ी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भाजपा की नेशनल टीम में शामिल हो सकते हैं यूपी के दिग्गज नेता, लखनऊ में नितिन नवीन और बीएल संतोष करेंगे मंथन

लखनऊ। चुनावी कसरत में जुटी भाजपा राजनीतिक मानचित्र में यूपी को सबसे ज्यादा वरीयता दे रही है। प्रदेश संगठन बनने के बाद अब राष्ट्रीय इकाई में दावेदारों को लेकर चर्चा तेज है। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष तीन और चार जुलाई को लखनऊ में मंथन कर जहां विधान सभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे, वहीं राष्ट्रीय टीम में पदाधिकारी वाले यूपी के चेहरों पर मुहर लगेगी। संगठन से लेकर केंद्र सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार तक यूपी यूपी का प्रतिनिधित्व बढ़ाने की तैयारी है। चर्चा है कि नवीन की टीम में यूपी से दो महामंत्री, तीन उपाध्यक्ष समेत दस पदाधिकारी बनाए जाएंगे। उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड समेत कई राज्यों में अगले साल चुनाव होने की वजह से भाजपा संगठन का नट बोल्ट कसने में जुटी है। नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाकर प्रदेश एवं क्षेत्रीय इकाइयों में भी युवा चेहरों को बढ़ाने का संदेश दिया गया। पिछले दिनों नवीन ने उत्तराखंड में दो दिनी प्रवास कर संगठन को चुनावी मंत्र दिया। वह सांगठनिक दृष्टि से पहली बार उत्तर प्रदेश के दौरे पर आ रहे हैं। यूपी प्रदेश इकाई की हो चुकी है घोषणा 25 जून को यूपी की प्रदेश इकाई, क्षेत्रीय अध्यक्षों एवं छह मोर्चों के अध्यक्षों की घोषणा की जा चुकी है, और इसी टीम की निगरानी में 2027 विधान सभा चुनाव होंगे। नितिन नवीन एवं बीएल संतोष लखनऊ में प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह से मिलकर राष्ट्रीय टीम के दावेदारों के नाम फाइनल करेंगे। वर्तमान में राष्ट्रीय टीम में यूपी से राधामोहन अग्रवाल एवं अरुण सिंह महामंत्री हैं, जबकि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेयी, पूर्व सांसद रेखा वर्मा एवं अलीगढ़ मुस्लिम विवि के पूर्व वाइस चांसलर तारिक मंसूर उपाध्यक्ष हैं। जबकि राज्यसभा सदस्य सुरेंद्र नागर को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। राजेश अग्रवाल कोषाध्यक्ष हैं। इन्हें मिल सकता है मौका माना जा रहा है कि राधा मोहन, अरुण सिंह एवं लक्ष्मीकांत के स्थान पर नए उम्र के कार्यकताओं को अवसर दिया जाएगा। इस बार यूपी से पूर्व मंत्री डॉ. महेंद्र सिंह, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, राज्य सभा सदस्य अमरपाल मौर्य, पूर्व सांसद विनोद सोनकर, रेखा वर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, एमएलसी अश्विनी त्यागी, अशोक कटारिया, गोविंद नारायण शुक्ल और संतोष सिंह का नाम भी चर्चा में है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि यूपी की प्रदेश इकाई में कई नए नामों की वजह से पुराने चेहरों पर मायूसी नजर आ रही, जिन्हें पार्टी संगठन से लेकर निगम, आयोग, बोर्ड एवं चुनावी समितियों के गठन तक में भूमिका देकर संतुष्ट रखने का प्रयास करेगी।

नितिन नवीन और बीएल संतोष की मुलाकात मुख्यमंत्री शेगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य एवं ब्रजेश पाठ समेत कई मंत्रियों से होगी। बाद में प्रदेश, क्षेत्र एवं जिला-महानगर के पदाधिकारियों के बैठक कर अचूक रणनीति बनाने का प्रयास होगा। माना जा रहा है कि लखनऊ में आयोजित दो दिनी बैठक भाजपा की राजनीतिक दिशा तय करेगी।

मुठभेड़ के बाद पांच पशु चोर गिरफ्तार, दो घायल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना कोतवाली देहात पुलिस ने पशु चोरी की घटना का सफल खुलासा करते हुए पुलिस मुठभेड़ के बाद पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई दो भैंसें, एक कटिया, अवैध तमंचे, कारतूस, चाकू तथा घटना में प्रयुक्त एक महिंद्रा बोलेरो भी बरामद की है। पुलिस के अनुसार 26/27 जून की रात ग्राम दयाम नगला से दो भैंस और एक कटिया चोरी होने के संबंध में थाना कोतवाली देहात में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई। 28 जून की रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने नहटौर रोड स्थित नगला पेट्रोल पंप के पास संदिग्ध वाहन को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में दो आरोपी गोली लगने से घायल हो गए, जबकि तीन अन्य को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि वे रेकी कर पशुओं की चोरी करते थे और चोरी की गई भैंसों व कटिया को बेचने की योजना बना रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई करते हुए घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया है। गिरफ्तार आरोपियों में रमीज उर्फ लंबू कुरैशी, रिशु उर्फ भूरा, गुलफाम, गुड्डू तथा सफीक शामिल हैं। पुलिस के अनुसार मुख्य आरोपी रमीज के विरुद्ध पहले से कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली के अस्पताल से भागा अंडरट्रायल कैदी हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार, 48 घंटे में क्राइम ब्रांच ने दबोचा

नई दिल्ली। दिल्ली क्राइम ब्रांच की सेंट्रल रेंज टीम ने अस्पताल से भागे एक अंडरट्रायल कैदी को मात्र 48 घंटे के अंदर हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले से गिरफ्तार कर लिया। जेल से भागने की बनाई बड़ी योजना पुलिस ने बताया कि पवन भल्ला (26 वर्ष) नामक आरोपी ने रोहिणी के सेंट्रल जेल में जानबूझकर अज्ञात पदार्थ खाकर खुद को बीमार दिखाया। इसके बाद उसे डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर अस्पताल और बाद में इलाज के लिए जीबी पंत अस्पताल रेफर किया गया। 26 जून की शाम करीब 6:45 बजे आरोपी ने बाथरूम जाने की अनुमति मांगी और वेंटिलेशन होल से भाग निकला। इस घटना के बाद आईपी एस्टेट थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 262 के तहत मामला दर्ज किया गया था। क्राइम ब्रांच की तेज कार्रवाई इंस्पेक्टर महिपाल सिंह के नेतृत्व में बनी विशेष टीम ने (एसीपी सतेंद्र मोहन के पर्यवेक्षण में) तकनीकी निगरानी, मानवीय खुफिया जानकारी और फील्ड ऑपरेशन के जरिए तुरंत तलाश शुरू की। टीम ने आरोपी को हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के जितपुर बेहड़ी इलाके से 28 जून को गिरफ्तार कर लिया। इस तरह मात्र 48 घंटे में आरोपी को पकड़ लिया गया। वेयरहाउस में करने लगा काम पवन भल्ला को 15 जून को रोहिणी के सेक्टर-4, लाल फ्लैट्स के पास पेट्रोलिंग के दौरान पकड़ा गया था। उसके पास से प्रतिबंधित बटन वाला चाकू बरामद हुआ था। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में पवन भल्ला ने बताया कि अस्पताल से भागने के तुरंत बाद वह पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंचा और ट्रेन पकड़कर ऊना चला गया। वहां अपने पुराने परिचित के घर में छिपा रहा और एक वेयरहाउस में लोडिंग-अनलोडिंग का काम करके अपना गुजारा करता रहा। ड्रग्स का है लती पवन मूलतः हरियाणा के जींद जिले का निवासी है। वह 2023 से आपराधिक गतिविधियों में शामिल है और उसके खिलाफ तीन केस दर्ज हैं। वह डीजे सेटअप में हेल्पर और लेबर का काम कर चुका है। उसने ड्रग्स की लत होने की भी बात स्वीकारी है।

डीएम की अध्यक्षता में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक हुई आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिला मजिस्ट्रेट डॉ0 नितिन गौड़ की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक लखन सिंह यादव की उपस्थित में अभियोजन कार्यों एवं कानून व्यवस्था के सम्बन्ध में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। समीक्षा के दौरान जिला मजिस्ट्रेट द्वारा समस्त अभियोजकों को अधिक से अधिक मामलों में सजा कराने, विशेष तौर पर महिलाओं से संबंधित अपराधों व पास्को एक्ट से संबंधित मामलों में शत-प्रतिशत सजा कराये जाने के लिए निर्देशित किया गया। महिलाओं से संबंधित मामलों की गंभीरता के दृष्टिगत जिम्मेदारी पूर्वक अभियोजन करते हुए अधिक से अधिक अभियुक्तों को सजा कराए जाने के लिये निर्देशित किया गया। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की शिकायत पर त्वरित कार्यवाही की जाए। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि गंभीर धाराओं में वांक्षित अपराधियों को कतई बख्शा न जाए कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, संबंधित अभियोजक, उप जिलाधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

30 जून से दिल्ली में एसआईआर की 'दस्तक', बीएलओ पहुंचेंगे घर-घर; 7 अक्टूबर को आएगी फाइनल वोटर लिस्ट

नई दिल्ली। अगर आप दिल्ली में रहते हैं तो आने वाले दिनों में आपके दरवाजे पर चुनाव आयोग की घंटी बज सकती है। दिल्ली में वोटर लिस्ट (मतदाता सूची) को पूरी तरह अपडेट करने के लिए चुनाव आयोग ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) की शुरूआत कर दी है। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) अशोक कुमार के मुताबिक, पूरे 21 साल बाद दिल्ली में इतने बड़े स्तर पर यह खास अभियान चलाया जा रहा है। अगर आपका अभी तक वोटर आईडी नहीं बना है, या उसमें कोई गलती है, तो आपके पास इसे ठीक कराने का यह सबसे बेहतरीन मौका है। 30 जून से घर आएंगे बीएलओ , आपको क्या करना होगा? दिल्ली में लगभग 13 हजार बूथ लेवल ऑफिसर्स (बीएलओ) 30 जून से घर-घर जाकर वेरिफिकेशन का काम शुरू करेंगे। अगर आप पहली बार में घर पर नहीं मिलते हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि टीम आपके घर कम से कम 3 बार विजिट करेगी। मिलेगा न्यूमिरेशन फॉर्मः सर्वे के दौरान आपको दो 'न्यूमिरेशन फॉर्म' दिए जाएंगे। एक फॉर्म आपको भरकर बीएलओ को देना होगा और दूसरा अपने पास संभालकर रखना होगा। दस्तावेजों का झंझट नहीं: इस फॉर्म को जमा करते समय आपको किसी भी अन्य डॉक्यूमेंट या आईडी प्रूफ की फोटोकॉपी देने की जरूरत नहीं है। ऑनलाइन भी है सुविधाः यदि आप काम के सिलसिले में घर से बाहर रहते हैं या शहरी इलाके में हैं, तो आप इस फॉर्म को ऑनलाइन भी भर सकते हैं। क्यों हो रहा है यह सर्वे? इसका मकसद उन लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है जिनकी मृत्यु हो चुकी है या जो अब दिल्ली छोड़कर दूसरी जगह शिफ्ट हो गए हैं, ताकि फर्जी वोटिंग को रोका जा सके। साथ ही, 18 साल की उम्र पूरी कर चुके नए युवाओं के नाम जोड़े जाएंगे। कैलेंडर पर नोट कर लें ये जरूरी तारीखें वोटर लिस्ट में सुधार और नए नाम जोड़ने का पूरा कार्यक्रम इस प्रकार तय किया गया हैः तारीख क्या होगा? 30 जून घर-घर जाकर डोर-टू-डोर सर्वे और वेरिफिकेशन की शुरूआत। 5 अगस्त वोटर लिस्ट के पहले ड्राफ्ट (प्रारूप) का प्रकाशन। 7 अक्टूबर सभी सुधारों और दावों के निपटारे के बाद फाइनल वोटर लिस्ट जारी होगी। 21 साल बाद ऐसा क्यों? इससे पहले दिल्ली में इस स्तर का स्पेशल रिवीजन साल 2002-2004 में हुआ था। चुनाव आयोग ने पारदर्शिता बनाए रखने के लिए साल 2002 की पुरानी वोटर लिस्ट को भी अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है

ताकि लोग पुरानी डिटेल्स भी चेक कर सकें। इसके अलावा, चुनाव आयोग पोलिंग बूथ्स को भी व्यवस्थित कर रहा है और अब एक पोलिंग स्टेशन पर अधिकतम 1,200 से ज्यादा वोटर्स नहीं होंगे, जिससे वोटिंग के दिन लंबी लाइनों से राहत मिलेगी। जनता की मदद के लिए दिल्ली के सभी जिलों में जल्द ही विशेष कैंप और हेल्पडेस्क भी लगाए जाएंगे।

मंदिर चंदा मामले की सीबीआई जांच की मांग करते हुए शिवसेना के कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के शिवसेना पदाधिकारियों ने अयोध्या स्थित श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए एकत्र किए गए चंदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से भेजा। ज्ञापन में संगठन ने आरोप लगाया कि श्रीराम मंदिर चंदा प्रकरण में सामने आए आरोपों से करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं प्रभावित हुई हैं। शिवसेना ने पूरे मामले की सीबीआई से जांच कराने तथा यदि कोई दोषी पाया जाए तो उसके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई किए जाने की मांग की। शिवसेना नेताओं ने कहा कि श्रीराम मंदिर आंदोलन में अनेक कारसेवकों और शिवसैनिकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। कई कार्यकताओं ने आंदोलन के दौरान अपने प्राणों की आहुति दी और अनेक लोगों ने जेल जाकर मुकदमों का सामना किया। ऐसे में मंदिर निर्माण अथवा चंदे से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की अनियमितता के आरोपों की पारदर्शी और निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

संगठन ने सरकार से मांग की कि श्रद्धालुओं की भावनाओं और विश्वास को बनाए रखने के लिए पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। ज्ञापन सौंपने वालों में जिला प्रमुख वीर सिंह, मुकेश लाम्बा लवी, पुलकित त्यागी, संदीप चौहान, मनीष सैनी, योगेश कुमार, पंकज कुमार, जितेंद्र कुमार, अरुण कुमार, कमल कुमार, कुलदीप, भूपेंद्र कुमार और खिलेंद्र कुमार सहित अन्य शिवसेना कार्यकर्ता मौजूद रहे।

उप कृषि निदेशक की देखरेख में हुआ चंदन का पौधारोपण

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद मुख्यालय से 9 किमी दूर ग्राम कासमपुर कृपाराम में चंदन के उद्यान का शुभारंभ उप कृषि निदेशक डॉ घनश्याम वर्मा, विवेकानन्द दिव्य भारती के अध्यक्ष योगेन्द्र पाल सिंह योगी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। चंदन का उद्यान लगाने वाले सुकृत कवात्रा द्वारा ये उद्यान लगाने से पहले पूरी तैयारी की गई जिसमें चन्दन की खेती संबंधी जानकारी लेना, सिंचाई के लिए ड्रिप लगाना , मिट्टी की जांच व शौधन कराया गया है । इनके द्वारा दो एकड़ से अधिक भूमि में चंदन के 600 पौधे रोपित किए जायेंगे। चंदन के साथ साथ आपके द्वारा आम में बनाना आम, थाई बारह मासी आम , अमरूद, माल्टा, गोल्डन सेवा, अनार, संतरा, लाल आंवला, कुंभकाट नींबू, सफेद जामुन, मीठा करोंदा,चीकू आदि फलों का रोपण भी किया गया है। उप कृषि निदेशक डॉ घनश्याम वर्मा द्वारा सुकृत कवात्रा को हर प्रकार की विभागीय तकनीकी सहायता का आश्वाशन दिया तथा आशा व्यक्त की कि इससे अन्य किसान भी प्रेरित होंगे। चंदन का रोपण बिजनौर के उज्जवला प्लांटेशने` सीईओ द्वारा अपनी देखरेख में करा रहें हैं और दो वर्ष तक पूरी देखभाल भी उनके द्वारा की जायेगी`

कुलगुरु योगेश सिंह ने गिनाए सीयूईटी के फायदे, कहा- छात्र दोबारा परीक्षा देकर सुधार सकते हैं अपने अंक

नई दिल्ली। डीयू के कुलगुरु योगेश सिंह ने कहा कि कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) ने स्नातक प्रवेश प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष और समावेशी बनाया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों के अनुभव ने साबित कर दिया है कि यह सरकार द्वारा शुरू किया गया एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिसने देश के हर राज्य, जिले, तहसील और गांव के छात्रों को समान मंच पर प्रतिस्पर्धा करने का अवसर दिया है। योगेश सिंह ने बताया कि पहले डीयू में प्रवेश 12वीं के अंकों के आधार पर होता था, लेकिन विभिन्न शिक्षा बोर्डों की मूल्यांकन प्रणाली में अंतर होने के कारण छात्रों के साथ असमानता होती थी। सीयूईटी ने सभी अभ्यर्थियों के लिए एक समान मूल्यांकन प्रणाली उपलब्ध कराई है, जिससे प्रवेश प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष हुई है। उन्होंने कहा कि सीयूईटी का एक बड़ा लाभ यह भी है कि यदि कोई छात्र किसी प्रयास में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता, तो वह दोबारा परीक्षा देकर अपने अंक सुधार सकता है। कुलगुरु के अनुसार, इस व्यवस्था से दिल्ली विश्वविद्यालय में विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले प्रतिभाशाली छात्रों की संख्या बढ़ी है और विश्वविद्यालय का शैक्षणिक वातावरण अधिक विविध एवं गुणवत्तापूर्ण बना है।

भीषण गर्मी के चलते आदमी के साथ पशु पक्षी भी परेशान

बुगरासी/बुलंदशहर (सब का सपना):- भीषण गर्मी के तल्ख तेवर और आग उगलते आसमान के बीच जहां आम जनजीवन तबाह हो गया है वही पशु पक्षियों में भी बेचैनी देखी जा सकती है घटती पेड़ों की संख्या से पशु पक्षियों को छाया तक नही मिल पा रही हैं।भू जलस्तर नीचे खिसकने के कारण नहर तालाब सूखने लगे हैं पानी के आभाव में पशु पक्षियों को इधर-उधर भटकना लाचारी बन गई है पशु पक्षियों को बर्तनों में छतों पर पानी रखने की अपील कर रहे हैं।भीषण गर्मी व लू के थपेड़ो ने आदमी के साथ साथ पशु पक्षियों का भी जीना मुहाल कर दिया है पशु पक्षी प्रेमी बरहाना निवासी विवेक त्यागी ने कहा है कि आदमी अपने लिए तो सारे इंतजाम करता ही है लेकिन जीवों के बारे में कोई नहीं सोचता है कुछ लोग ही पशु पक्षियों के लिए दाना पानी का इंतजाम कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा है कि पक्षियों के लिए अपने मकान की छतों पर बर्तनों में पानी भरकर रखें क्योंकि पशु पक्षियों के बिना प्रकृति सुन्दर नही दिख सकती है वन विभाग के कर्मचारी लौकश कुमार ने कहा है कि जीवों का प्रकृति में अहम रौल होता है। गर्मी में पक्षियों को हीट स्ट्रोक हो जाता है। अधिक समय तक उनका प्यासा रहना उनके लिए संकट है। इसलिए हर आदमी में इनके प्रति हमदर्दी होनी चाहिए।

राजा हो या नेता, अकाल तख्त का आदेश सबके लिए सर्वोच्च; जानिए पंजाब की राजनीति में क्यों खास है इसका स्थान

अमृतसर। पंजाब में बेअदबी कानून को लेकर शुरू हुए विवाद के बीच श्री अकाल तख्त साहिब एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है। श्री अकाल तख्त साहिब के सामने आज, सोमवार पंजाब के 78 सिख विधायकों और 9 सिख मंत्रियों को तलब हुए। उन्हें आदेश दिया गया कि अगले एक महीने में जागत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम-2026 में जरूरी संशोधन किए जाएं। इससे पहले मुख्यमंत्री भगवंत मान को भी एक विवादित वीडियो के मामले में इनके समक्ष पेश होना पड़ा था। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि आखिर श्री अकाल तख्त साहिब क्या है, इसकी धार्मिक और सामाजिक शक्ति कितनी है और इसके आदेशों को नेता इतने गंभीरता से क्यों लेते हैं।क्या है श्री अकाल तख्त साहिब?

श्री अकाल तख्त साहिब सिख धर्म का सर्वोच्च सांसारिक धार्मिक संस्थान माना जाता है। 'अकाल तख्त' का अर्थ है 'अकाल पुरुष का सिंहासन'। यह श्री हरिमंदिर साहिब के ठीक सामने स्थित है। इसकी स्थापना सिखों के छठे गुरु श्री गुरु हरगोबिंद साहिब ने वर्ष 1606 से 1609 के बीच करवाई थी।उस समय इसका उद्देश्य केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सिख समाज की सामाजिक, न्यायिक और राजनीतिक गरिमा को भी स्थापित करना था। इसे तत्कालीन मुगल शासकों के सिंहासन से ऊंचा बनाकर यह संदेश दिया गया था कि अन्याय के सामने सिख समाज स्वतंत्र और आत्मसम्मान के साथ खड़ा रहेगा।

क्यों है तख्त इतनी बड़ी धार्मिक ताकत? श्री अकाल तख्त साहिब के प्रमुख को जत्थेदार कहा जाता है। सिख समुदाय में उन्हें सर्वोच्च धार्मिक-सांसारिक प्राधिकारी माना जाता है। जत्थेदार किसी भी सिख व्यक्ति को, चाहे वह मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद, विधायक, अधिकारी या कोई बड़ा धार्मिक नेता ही क्यों न हो, स्पष्टीकरण के लिए तलब कर सकते हैं। हालांकि श्री अकाल तख्त साहिब के पास किसी अदालत या पुलिस जैसी कानूनी शक्ति नहीं होती, लेकिन इसके आदेशों की धार्मिक और नैतिक मान्यता अत्यंत गहरी है। यही कारण है कि अधिकांश नेता इसके आदेशों का पालन करना उचित समझते हैं। इतिहास में रही निर्णायक भूमिका ब्रिटिश शासन से पहले और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान श्री अकाल तख्त साहिब सिख समाज के बड़े राजनीतिक और सामाजिक निर्णयों का प्रमुख केंद्र रहा। अठारहवीं शताब्दी में यहीं सरबत खालसा की बैठकों का आयोजन होता था, जिनमें सिख समुदाय से जुड़े महत्वपूर्ण फैसले लिए जाते थे और बाहरी आक्रमणों का मुकाबला करने की रणनीति बनाई जाती थी। इतिहास में महाराजा रणजीत सिंह का उदाहरण सबसे चर्चित माना जाता है। उन्हें भी एक मामले में श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष पेश होना पड़ा था और उन्होंने सार्वजनिक रूप से धार्मिक दंड स्वीकार किया था। यह घटना आज भी श्री अकाल तख्त साहिब की सर्वोच्च धार्मिक प्रतिष्ठा का उदाहरण मानी जाती है।

अवैध अतिक्रमण स्वयं हटाने की अंतिम चेतावनी, 2 जुलाई से चलेगा बुल्डोजर

औरंगाबाद/बुलंदशहर (सब का सपना):- नगर पंचायत ने कस्बे में मुनादी कराकर नालों के आगे एवं ऊपर किए गए सभी अवैध अतिक्रमण को तत्काल स्वयं हटाने की अंतिम चेतावनी दी है। अधिशासी अधिकारी रोहित कुमार ने बताया कि 2 जुलाई से नगर पंचायत द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान बुल्डोजर से अवैध कब्जे हटाए जाएंगे तथा कार्रवाई में आने वाला पूरा खर्च संबंधित अतिक्रमणकारियों से वसूला जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अभियान के दौरान किसी भी व्यक्ति के साथ पक्षपात नहीं किया जाएगा और सभी अवैध अतिक्रमण नियमानुसार समान रूप से हटाए जाएंगे।

चकबंदी विभाग पर भ्रष्टाचार का आरोप, सीओ कार्यालय पर होगी किसान महापंचायत

बुलन्दशहर (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति के राष्ट्रीय कार्यालय पर आयोजित बैठक में किसानों की समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष चौधरी जितेंद्र सिरोही ने की। बैठक में बताया गया कि गांव मुखिमपुर निवासी किसान एवं जिला संयोजक कैप्टन चौधरी विक्रम सिंह द्वारा नक्शा संशोधन के संबंध में अपर जिलाधिकारी के समक्ष मामला दर्ज कराया गया था। बैठक में आरोप लगाया गया कि जांच के लिए भेजे गए प्रकरण में चकबंदी विभाग के सीओ बुलंदशहर द्वारा बिना मौके की जांच किए गलत रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी गई। इसे लेकर किसानों में भारी रोष है। भारतीय किसान यूनियन महाशक्ति ने चेतावनी दी कि यदि निष्पक्ष कार्रवाई नहीं हुई तो चकबंदी विभाग के सीओ कार्यालय पर भ्रष्टाचार के विरोध में महापंचायत आयोजित की जाएगी।

बिजली कटौती पर भड़के अकाली दल अध्यक्ष सुखबीर बादल, बोले- खेतों में सूख रही धान की फसल

श्री मुक्तसर साहिब। पंजाब में बढ़ती बिजली मांग और किसानों को मिल रही अनियमित बिजली आपूर्ति को लेकर सियासत तेज हो गई है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल ने सोमवार को श्री मुक्तसर साहिब जिले के लंबी विधानसभा क्षेत्र के गांव महिना का दौरा कर धान के सूखे खेतों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने राज्य में पैदा हुए बिजली संकट के लिए मौजूदा सरकार और कांग्रेस की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। सुखबीर सिंह बादल ने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षों में सरकारों ने पंजाब की बिजली व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। उन्होंने कहा कि आज राज्य में किसान बिजली संकट से जूझ रहे हैं और समय पर बिजली नहीं मिलने के कारण धान की फसल सूखने लगी है।उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से लगातार यह दावा किया जा रहा है कि किसानों को प्रतिदिन आठ से दस घंटे बिजली उपलब्ध कराई जा रही है, लेकिन जमीनी स्थिति इससे बिल्कुल अलग है। उनके अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक बिजली कटौती हो रही है, जिससे खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुंच पा रहा और किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। खेतों में सूखती दिख रही धान की फसल सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि उन्होंने स्वयं खेतों का दौरा किया है, जहां धान की फसल सूखती हुई दिखाई दे रही है। उनका कहना था कि यदि समय पर सिंचाई नहीं हुई तो किसानों की मेहनत और फसल दोनों पर संकट गहरा सकता है। उन्होंने अपनी सरकार के कार्यकाल का उल्लेख करते हुए दावा किया कि उस समय पंजाब को बिजली के मामले में आत्मनिर्भर बनाया गया था। उन्होंने कहा कि अकाली दल की सरकार ने बिजली उत्पादन बढ़ाने के लिए थर्मल संयंत्र खरीदे थे। उस दौरान भी कभी-कभी बिजली कटौती होती थी, लेकिन राज्य की मांग को पूरा करने में कोई बड़ी परेशानी नहीं आती थी।बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करे सरकार सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि सरकार बढ़ती बिजली मांग के अनुरूप आपूर्ति सुनिश्चित करे। इसका सबसे अधिक असर किसानों पर पड़ रहा है, क्योंकि इस समय धान की फसल को नियमित सिंचाई की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि बिजली संकट केवल खेती तक सीमित नहीं है, बल्कि घरेलू उपभोक्ता भी लंबे बिजली कटों से परेशान हैं। लोगों को भीषण गर्मी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में हालात और अधिक गंभीर हैं।

फाजिल्का में मृत गाय को ट्रैक्टर से घसीटने का वीडियो वायरल, हिंदू संगठनों ने किया प्रदर्शन; पुलिस जांच शुरू

अबोहर। पंजाब के अबोहर क्षेत्र के गांव दानेवाला सतकोसी में मृत गाय के शव को ट्रैक्टर के पीछे बांधकर घसीटने का मामला सामने आने के बाद विवाद खड़ा हो गया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हिंदू संगठनों, पशु प्रेमियों और ग्रामीणों ने कड़ी नाराजगी जताई है। मामले की शिकायत पुलिस को दी गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है, जबकि घटना से जुड़े व्यक्ति ने लिखित रूप में माफी भी मांग ली है। जानकारी के अनुसार गांव दानेवाला सतकोसी के ही एक डेयरी संचालक की पालतू गाय की मौत हो गई थी। लेकिन मृत गाय के शव को सङ्म्मनजनक और मानवीय तरीके से ट्राली में रखकर ले जाने के बजाय उसे ट्रैक्टर के पीछे बांध कर सडकों पर घसीटते हुए गांव के बाहर जाकर फेंक दिया गया। जिसकी वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

हो गई। पशु प्रेमियों ही भावनाएं आहत इस दृश्य को देखकर ग्रामीणों और पशु प्रेमियों की भावनाएं आहत हुईं। लोगों का कहना है कि किसी भी मृत पशु के साथ ऐसा व्यवहार न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज की संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाने वाला है। घटना के बाद विभिन्न सामाजिक और जीव रक्षा संगठनों ने भी कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रशासन से आरोपित के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।डीसीपी ने दिए जांच के आदेश

वहीं गांव के सरपंच किंगपाल सिंह ने बताया कि गांव में चर्च का संचालन करने वाले ईसाईयों ने ही डेयरी बनाई हुई है। सरपंच के अनुसार शनिवार रात के समय गाय की मौत होने पर रविवार सुबह उन्होंने मृत गाय को ले जाने के लिए ट्रैक्टर-ट्राली व दफनाने के लिए जेसीबी का प्रबंध किया था। लेकिन इसी दौरान चर्च के फादर चर्च में आयोजित कार्यक्रम में व्यस्त हो गए जबकि ट्रैक्टर चालक मृत गाय को ट्रैक्टर से घसीटता हुआ ले गया। इधर इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी गगन अजीत सिंह ने कहा कि घटना की जानकारी उनके संज्ञान में आ चुकी है। उन्होंने संबंधित डीएसपी को पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपित पाए जाने वाले व्यक्ति के विरुद्ध कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। उधर, आरोपित ने लिखित रूप से माफी मांग ली।

'श्री अकाल तख्त साहिब की मयार्दा के प्रति समर्पित नहीं सीएम मान', बिक्रम मजीठिया ने साधा निशाना

अमृतसर। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेता बिक्रम सिंह मजीठिया ने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो व्यक्ति श्री गुरु ग्रंथ साहिब की हाजिरी में शराब पीकर जाता हो, तख्त श्री दमदमा साहिब में नशे की हालत में पहुंचा हो, अपनी मां की झूठी कसम खाता हो और संसद व विधानसभा में शपथ लेकर भी उसका सम्मान न करता हो, वह कभी भी गुरु घर या अकाल तख्त साहिब को समर्पित नहीं हो सकता।

मजीठिया ने कहा कि अकाल तख्त साहिब की अपनी मयार्दा और आदेश हैं, लेकिन पंथ विरोधी मुख्यमंत्री भगवंत मान उन्हें नहीं मानते। उन्होंने आरोप लगाया कि भगवंत मान गुरु घर की मयार्दा का सम्मान नहीं करते और बरगाड़ी में भी लोगों ने उनका विरोध किया था।उन्होंने पंजाब सरकार से अपील की कि वह

अकाल तख्त साहिब के साथ टकराव का रास्ता न अपनाए। सरकार को अकाल तख्त साहिब की सर्वसम्मति, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) और अन्य सिख संस्थाओं को साथ लेकर ऐसा कानून बनाना चाहिए, जिसे पूरा समाज स्वीकार करे।मजीठिया ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा बनाए गए मौजूदा कानून के बावजूद बेअदबी की घटनाएं नहीं रुकी हैं। उन्होंने सरकार को चेतावनी दी कि ऐसा कोई कदम न उठाया जाए, जिससे सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे।

लुधियाना में खौफनाक वारदात, घर में घुसकर प्रिंसिपल को बनाया बंधक, तेजधार हथियार से हमला कर उतारा मौत के घाट

लुधियाना। जमालपुर के जंडियाली गांव में रविवार देर रात घर में घुसकर एक निजी स्कूल प्रिंसिपल की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय इकबाल सिंह के रूप में हुई है। वह अपने घर से ही एक निजी स्कूल चलाते थे। सूचना मिलते ही थाना जमालपुर पुलिस, सीआईए टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक के बेटे के अनुसार देर रात दो अज्ञात युवक घर में घुस आए। आरोप है कि दोनों ने पहले उसके और उसके पिता के साथ मारपीट की तथा उन्हें बंधक बना लिया। इसके बाद हमलावरों ने इकबाल सिंह के कपड़े उतार कर धारदार हथियार से हमला कर दिया।गंभीर चोट लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बेटे के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपित फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मृतक की गर्दन पर गहरे घाव मिले हैं। फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं।आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपितों की पहचान की जा सके। पुलिस का कहना है कि मृतक की पत्नी वकालत की परीक्षा देने के लिए भोपाल गई हुई थीं। उनके लौटने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

विधानसभा चुनाव से पहले मिलेगी सिर्फ जिम्मेदारी, सीएम पर फैसला बाद में; भूपेश बघेल और रंधावा की भूमिका पर दिल्ली में

चंडीगढ़। पंजाब कांग्रेस में लंबे समय से प्रतीक्षित संगठनात्मक फेरबदल अब अंतिम चरण में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पार्टी हाईकमान राज्य इकाई में बदलाव को व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन के साथ जोड़कर देख रहा है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के पंजाब प्रभारी भूपेश बघेल की जिम्मेदारी में बदलाव और राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की नई भूमिका पर भी मंथन चल रहा है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर सिंह रंधावा का नाम प्रमुखता से सामने आ रहा है। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को छत्तीसगढ़ की सक्रिय राजनीति में बड़ी जिम्मेदारी मिलने की संभावना जताई जा रही है।सूत्रों का कहना है कि पंजाब कांग्रेस में नए संगठन की घोषणा इसलिए रुकी हुई है ताकि वरिष्ठ नेताओं की नई जिम्मेदारियों को लेकर स्पष्टता बन सके। हाई कमान

की ओर से स्पष्ट किया गया है कि पहले जीत सुनिश्चित हो उसके बाद मुख्यमंत्री का फैसला होगा। नई दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के साथ लगातार बैठकें पिछले कुछ दिनों में पंजाब के कई वरिष्ठ नेताओं ने नई दिल्ली में कांग्रेस नेतृत्व के साथ लगातार बैठकें कर संगठनात्मक बदलाव और आगामी चुनावी रणनीति पर चर्चा की है। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के मुताबिक, राज्य इकाई में "स्ट्रक्चरल रीसेट" की घोषणा कभी भी की जा सकती है। हाईकमान विधानसभा चुनाव से पहले वरिष्ठता, अनुभव और सामाजिक समीकरणों के बीच संतुलन बनाकर संगठन को मजबूत करना चाहता है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला, पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और सुखजिंदर सिंह रंधावा प्रमुख दावेदार माने जा रहे हैं। हालांकि पार्टी नेतृत्व किसी एक नेता को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित करने के पक्ष में फिलहाल नहीं है। कांग्रेस की रणनीति सत्ता में वापसी के बाद विधायक दल की राय के आधार पर मुख्यमंत्री का फैसला करने की बताई जा रही है।
क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पार्टी के अंदर यह भी माना जा रहा है कि आम आदमी पार्टी द्वारा अमन अरोड़ा को पंजाब अध्यक्ष बनाए जाने के बाद हिंदू मतदाताओं पर विशेष फोकस किया जा रहा है। ऐसे में कांग्रेस भी संगठन में हिंदू और सिख, दोनों वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ क्षेत्रीय और जातीय संतुलन साधने की कोशिश कर रही है। वहीं, मुख्यमंत्री भगवंत मान से जुड़े विवादित वीडियो प्रकरण और उस पर अकाल तख्त की ओर से दिए गए निर्देशों के बाद कांग्रेस नेतृत्व का मानना है कि राज्य की सिख, विशेषकर जाट सिख राजनीति को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इसी वजह से संगठनात्मक बदलाव में इन समीकरणों को भी अहमियत दी जा रही है। कांग्रेस नेतृत्व का उद्देश्य विधानसभा चुनाव से पहले सभी वरिष्ठ नेताओं को साथ लेकर एक मजबूत और संतुलित टीम तैयार करना है, ताकि पार्टी चुनावी मुकाबले में प्रभावी ढंग से उतर सके।

चंडीगढ़ की सभी नगर निकाय शक्तियां निगम को सौंपने की तैयारी, आगामी बैठक में आएगा प्रस्ताव; जानें क्या मिलेंगे अधिकार?

चंडीगढ़। चंडीगढ़ की सभी नगर निकाय शक्तियां निगम को सौंपने की तैयारी है। इसे लेकर नगर निगम की आगामी सदन बैठक में महत्वपूर्ण प्रस्ताव पेश किया जाएगा। प्रस्ताव पास हुआ तो भूमि उपयोग, भवन निर्माण और शहरी नियोजन से जुड़े अधिकार नगर निगम को मिल जाएंगे। मेयर सौरभ जोशी की ओर से तैयार किए गए टेबल एजेंडा में केंद्र सरकार और यूटी प्रशासन से मांग की गई है कि संविधान के 74वें संशोधन और पंजाब कैपिटल (डेवलपमेंट एंड रेगुलेशन) एक्ट, 1952 की भावना के अनुरूप नगर निगम को सभी नगर निकाय कार्यों की शक्तियां हस्तांतरित की जाएं।

प्रस्ताव में कहा गया है कि नगर निगम चंडीगढ़ संविधान के भाग IX-A के तहत गठित एक शहरी स्थानीय निकाय है। संविधान के 74वें संशोधन का उद्देश्य नगरपालिकाओं को स्वशासन की मजबूत संस्थाओं के रूप में स्थापित करना और 12वीं अनुसूची में शामिल विषयों की जिम्मेदारी उन्हें सौंपना है।एजेंडा में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 1952 के पंजाब कैपिटल (डेवलपमेंट एंड

रेगुलेशन) एक्ट के तहत भवन निर्माण नियमों और भूमि उपयोग से जुड़े कई अधिकार सरकार के पास रखे गए थे। उस समय शहर का प्रशासन स्थानीय निकाय व्यवस्था के अधीन नहीं था, लेकिन अब चंडीगढ़ में निर्वाचित नगर निगम कार्यरत है। प्रस्ताव में तर्क दिया गया है कि लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण, जवाबदेही और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए शहरी नियोजन, भूमि उपयोग नियंत्रण, भवन निर्माण नियमों और अन्य नगर निगम से जुड़े कार्यों की शक्तियां नगर निगम को दी जानी चाहिए। मेयर सौरभ जोशी की ओर से तैयार प्रस्ताव में यूटी प्रशासक और केंद्रीय गृह मंत्रालय से आग्रह किया गया है कि संविधान की 12वीं अनुसूची में शामिल नगर निगम के सभी कार्यों के हस्तांतरण के लिए आवश्यक कानूनी, वैधानिक और प्रशासनिक कदम उठाए जाएं। नगर निगम का कहना है कि इन अधिकारों के मिलने से शहर के विकास कार्यों में तेजी आएगी और भवन निर्माण, शहरी विकास तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े फैसले अधिक प्रभावी तरीके से लिए जा सकेंगे। सदन की मंजूरी के बाद प्रस्ताव को यूटी प्रशासक और केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

फिरोजपुर परिषद चुनाव के बाद बढ़ी अंदरूनी तकरार, विरोध जताने वालों पर भाजपा का एक्शन; 4 नेता निष्कासित

फिरोजपुर। नगर कौंसिल चुनावों के दौरान आजाद प्रत्याशी और शिअद की तरफ से चुनाव लड़ने वाले चार नेताओं को भाजपा ने छह वर्ष के लिए बाहर का रास्ता दिखाया है। पार्टी के फैसले के बाद भाजपा में एक बार फिर से आंतरिक कलह खुलकर सामने देखने को मिली है। पार्टी ने जिस लोगों को निष्कासित किया है, उसमें पूर्व नगर कौंसिल अध्यक्ष अश्विनी ग्रोवर, पूर्व पार्षद राजेश निंदी, पूर्व पार्षद मनीष धवन के अलावा रोहित धवन शामिल है। जिलाध्यक्ष सर्बजीत सिंह बोबी बाठ ने कहा कि अश्विनी ग्रोवर ने वार्ड नंबर 28, राजेश कुमार निंदी की पत्नी जीवन बाला ने वार्ड नंबर 23, मनीश धवन की पत्नी चन्नप्रीत धवन ने वार्ड नंबर 27 तथा रोहित धवन की पत्नी रितु धवन ने अकाली दल बादल की टिकट से वार्ड नंबर 25 से चुनाव लड़ा था।उन्होंने आरोप लगाया कि उक्त लोगों ने पार्टी के हितों के विरुद्ध के अलावा संगठन को नुकसान पहुंचाने की गतिविधियों को अंजाम दिया है, जिसके चलते उन पर कार्रवाई अमल में लाई गई है। उन्होंने कहा कि भाजपा अनुशासनिक, सिद्धांतक और कैडर आधारित संगठन है। चुनावों के दौरान अश्विनी ग्रोवर और जीवन बाला ने अपने चुनावी होर्डिंगस पर पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष कमल शर्मा की फोटो लगाई थी, क्योंकि दोनों नेता ही कमल शर्मा के करीबी माने जाते थे, लेकिन चुनाव से कुछ दिन पहले उन्होंने कमल शर्मा की फोटो भी बोर्ड से हटा दी थी। इतनी ही नहीं चन्नप्रीत धवन की मदद के लिए खुद राणा सोढ़ी और उनके बेटे हीरा सोढ़ी ने डोर टू डोर प्रचार करने के अलावा लोगों से उनके हित में वोट मांगी थी। पार्टी को पहुंचाया जा रहा आंतरिक नुकसान

पूर्व पार्षद मनीष धवन ने कहा कि उनकी पत्नी ने वार्ड नंबर 27 से

आजाद प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़ा था और यहां पर भाजपा ने जिसे टिकट दी थी, उसका नामांकन जांच के दौरान रद्द हो गया था। उन्होंने कहा कि खुद भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी और उनके बेटे अनुमीत ङ्क्षसह सोढ़ी ने उनके हित में प्रचार किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पार्टी के नेता खुद ही आंतरिक तौर पर पार्टी को नुकसान पहुंचाने पर लगे हुए है। उन्होंने कहा कि 2021 के कौंसिल चुनावों में जब पार्टी को कोई उम्मीदवार नहीं मिल रहा था तो उन्होंने तब भी आजाद प्रत्याशी के तौर पर नामांकन भरा था और 621 से ज्यादा वोट हासिल किए थे।

पार्टी का निर्णय मान्य

पूर्व नगर कौंसिल अध्यक्ष अश्विनी ग्रोवर ने कहा कि फिलहाल वह कोई भी टिप्पणी नहीं करना चाहते। पार्टी सुप्रीम है और पार्टी का निर्णय भी उन्हें मान्य है। आने वाले समय में वह खुलकर अपनी बात रखेंगे और पार्टी को नुकसान पहुंचाने वालों को खुलकर खुलासा करेंगे। उन्होंने कहा कि 1987 से पार्टी की सेवा में जुटे है और एबीवीपी से कार्य शुरू कर भाजपा में अहम पदों पर सेवाएं दे चुके है। नामांकन रद्द करवाना गलत जिला प्रधान सरबजीत सिंह बॉबी बाठ ने कहा कि ममदोट के नगर पंचायत चुनावों में भाजपा ने कर्मठ प्रत्याशी मैदान में उतारे थे, लेकिन सत्ताधारी सरकार द्वारा उनके नामांकन यह कहकर रद्द करवा दिए कि उन प्रत्याशियों ने सरकारी जगह पर कब्जा कर रखा है, जोकि बिल्कुल गलत है। उन्होंने कहा कि इस बारे में पार्टी द्वारा डिप्टी कमिश्नर से लेकर राज्य के चुनाव अधिकारी तक को ई-मेल के माध्यम से शिकायत की गई है। उन्होंने मांग की है कि यह चुनाव बिल्कुल भी लोकतांत्रिक ढंग से नहीं करवाए जा रहे है और इन्हें रद्द करना चाहिए, अन्यथा पार्टी हाईकोर्ट का रुख करेंगी।

जानकारी

कार्डियो एक्सरसाइज के दौरान लें ये 5 चीजें

कार्डियो के एक सेशन के लिए बड़ी मात्रा में ऊर्जा की आवश्यकता होती है। कार्डियो वर्कआउट हृदय गति को बढ़ाकर रक्त और ऑक्सीजन के प्रवाह को बेहतर बनाता है। आपको बता दें कि कार्डियो एक्सरसाइज में दौड़ना, तैरना, साइकिल चलाना और बहुत सारे व्यायाम आते हैं। इसके अंतर्गत आने वाले व्यायामों को कम तीव्रता के साथ शुरू करना पड़ता है जिसकी गति धीरे-धीरे बढ़ती है। कार्डियो एक्सरसाइज से वजन तो तेजी से कम होता ही है साथ ही इससे नियंत्रित तनाव, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल भी नियंत्रित होता है। अपने कार्डियो सत्र को पूरा करने के लिए आपको अच्छे ऊर्जा स्रोतों की आवश्यकता होती है। आप पूरी तरह से कार्डियो सत्र के लिए अपनी ऊर्जा को फिर से भरने के लिए कार्ब्स पर निर्भर नहीं हो सकते। अन्य कार्डियो फ्रेंडली आहार विकल्प हैं जिनसे आप पर्याप्त ऊर्जा प्राप्त करने के लिए अपने आहार में शामिल कर सकते हैं।

मिलेगी एनर्जी

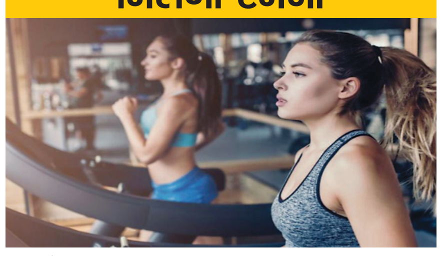

प्रोटीन

प्रोटीन को जिम का सबसे घनिष्ट साथी माना जाता है। प्रोटीन शेक या प्रोटीन युक्त अन्य पदार्थ जिम जाने वालों के लिए वरदान माने जाते हैं। यह आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है। आप अपने वर्कआउट के बीच भी इसका सेवन कर सकते हैं। आप भोजन के लिए कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का संयोजन भी बना सकते हैं। यह एक संपूर्ण भोजन होगा जो आपको तुरंत ऊर्जा प्रदान कर सकता है।

एनर्जी शेक और स्मूदी

कार्डियो करने वालों के लिए एनर्जी शेक और स्मूदी जबरदस्त स्रोत होते हैं। आप कार्डियो फ्रेंडली स्मूदी तैयार करने के लिए दही के साथ अपनी पसंद के फल को मिला सकते हैं। आप अपने कार्डियो सत्र से पहले या सत्र के बीच में शेक या स्मूदी पी सकते हैं। आपको फल के पोषक तत्व प्रदान करेगा। उन्हें तैयार करने के लिए मौसमी फलों का उपयोग करना सबसे अच्छा तरीका है।

फाइबर युक्त आहार

फाइबर एक स्मार्ट विकल्प है, जब कार्डियो फ्रेंडली खाद्य पदार्थों की बात आती है। फाइबर वजन घटाने के अनुकूल होने के साथ-साथ यह आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखता है और आपको बार-बार भूख नहीं लगती है। यदि आप अपने आहार में अधिक फाइबर शामिल करते हैं तो आप अनावश्यक कैलोरी का उपभोग करने की संभावना कम करते हैं।

नट्स और सीड्स

नट्स और सीड्स का मिश्रण आपको तुरंत ऊर्जा दे सकता है। मुट्ठी भर नट आपके लिए आवश्यक ऊर्जा देने के लिए पर्याप्त हैं। नट्स और सीड्स आपको अधिक समय तक भरे रखते हैं और आपको बेकार की चीजों को खाने से रोकते हैं। नट्स और सीड्स में से कुछ जिन्हें आप अपने आहार में शामिल कर सकते हैं, उनमें हैं- बादाम, फ्लैक्स सीड्स, भांग के बीज, चिया सीड्स और अखरोट।

साबुत अनाज

साबुत अनाज अपने आप में ही कई पोषक तत्वों का स्त्रोत होता है। साबुत अनाज का सेवन आपको वजन कम करने में मदद करने के लिए आपको पर्याप्त फाइबर प्रदान करेगा। साबुत अनाज में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है जो कार्डियो फूड के अनुकूल बनाती है। आप विभिन्न तरीकों से अपने आहार में साबुत अनाज शामिल कर सकते हैं। साबुत अनाज आपको कार्डियो के लिए अधिक ताकत प्रदान करेगा और आपकी मांसपेशियों के लिए ईंधन का काम करेगा।

गर्भावस्था के बारे में ये बातें कोई नहीं बताता आपको

जो गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है।

गर्भावस्था में इन बातों को नहीं जानती आप

गर्भावस्था एक महिला के जीवन के सबसे रोमांचक और चुनौतीपूर्ण समय में से एक है, लेकिन कई महिलाएं मातृत्व के इस नौ महीने की इस यात्रा को बहुत कम जानते हुए शुरू करती हैं। इम्पीरियल कॉलेज ऑफ लंदन के प्रोफेसर विवेत्ते ग्लोवर फ्रॉम के अनुसार गर्भधारण करने के बाद महिला का शरीर कई बदलावों से गुजरता है। महिला के शरीर में बदलाव हार्मोन में परिवर्तन के कारण होते हैं। लेकिन ऐसी कई बातें है जिनका उल्लेख महिलाओं को तब होता है जब वह उनके साथ होती है। आइए ऐसी ही कुछ बातों की जानकारी हम आपको देते हैं।

श्रोणि में दर्द

गर्भावस्था के दौरान एक महिला का शरीर जन्म देने के लिए तैयार होने के कारण कई सामान्य परिवर्तनों से गुजरना पड़ता है। इस दौरान रिलैक्सिन नामक हार्मोन के स्राव, स्नायुबंध, मसल्स और नसों को अधिक से अधिक लचीलापन देता है। इसके अलावा, रिलैक्सिन बच्चे के सिर को नीचा लाने के लिए एक महिला के श्रोणि पर्याप्त लचीला बनाता है। इस अतिरिक्त लचीलेपन के साथ मसल्स को खींचाव आसान होता है। कभी-कभी गर्भावस्था के अंतिम दिनों में, जोड़ महिला के श्रोणि के दो हिस्सों को एक साथ कसकर रखते हैं, बिल्कुल अलग होकर एसपीडी का कारण बनता है। इससे महिला के खड़े होने, घूमने और बैठे रहने पर श्रोणि और पीठ में दर्द होने लगता है।

भावनात्मक बदलाव

प्रोफेसर ग्लोवर के अनुसार गर्भवती में अन्य महिलाओं की तुलना में चिंता और अवसाद के लक्षण अधिक देखने को मिलते हैं। इस दौरान किसी भी महिला में असामान्य भावनात्मक परिवर्तन होना सामान्य ही माना जाता है। हॉर्मोन्स में हो रहे बदलावों के चलते महिलाओं के स्वभाव में तो परिवर्तन आता ही है और वे अधिक गुस्सा करने लगती हैं। उनका स्वभाव चिड़चिड़ा और अजीब सा हो जाता है। इसके अलावा हार्मोनल बदलाव, विशेष रूप से गर्भावस्था के पहले तीन महीनों में होने वाले बदलाव महिला के मन को प्रभावित कर उसे बीमार, थक हुआ और रुआंसा महसूस कराते हैं। लेकिन यह बदलाव बच्चे के स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकता है।

मसूड़ों से खून बहना

कई बार गर्भवती महिलाओं को मसूड़े से खून आने की दिक्कत अधिक होती है। इसे प्रेग्नेंसी जिन्जवाइटिस भी कहते हैं। इसमें हार्मोनल बदलाव की वजह से मसूड़ों तक सही तरीके से ब्लड नहीं पहुंच पाने के कारण मसूड़े कमजोर होने लगते हैं और उनसे खून निकलता है। इसलिए महिलाओं को ब्रश करते समय या फ्लॉस करते समय आपके दांतों में से खून आता है तो आपको डेंटिस्ट के पास तुरन्त जाना चाहिए। साथ ही अपने दांतों की अच्छी तरह से देखभाल के लिए नियमित रूप से चेकअप के लिए अपने दंत चिकित्सक के पास जाये।

कब्ज

अधिकांश महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान कब्ज की शिकायत रहती है। हार्मोन्स में आए बदलाव के कारण शरीर की पाचन प्रक्रिया धीमी होने पर आंतों की शिथिल मांसपेशियां कब्ज पैदा करने लगती हैं। गर्भावस्था के आखिरी दो तिमाही में आंतों पर गर्भाशय का दबाव कब्ज पैदा कर देता है। इससे निजात पाने गर्भवती को अपने नियमित आहार में फाइबर (रेशेदार) युक्त खाद्य पदार्थ जैसे फल एवं सब्जियों व दालों का ज्यादा से ज्यादा मात्रा में सेवन करना चाहिए। खूब पानी पिएं। कैफीन युक्त पेय पदार्थों के सेवन करने से बचें, क्योंकि कैफीन से आपका शरीर नियमित रूप से मल त्यागने के लिए आवश्यक द्रवों को नष्ट कर देता है। इसके अलावा हल्के व्यायाम को शामिल करें।

बवासीर

लगभग 50 प्रतिशत गर्भवती में बवासीर की समस्या देखने को मिलती है- जिसमें मलाशय में सूजन और उभड़ी हुई नसों की समस्या, आमतौर पर प्रसव के बाद बेहतर हो जाती है। गर्भावस्था के दौरान गर्भाशय के विस्तार से मलाशय नसों पर अधिक दबाव पड़ने से बवासीर की समस्या होने लगती है। इस समस्या के चलते खुजली और खून बहने के साथ लंबे समय तक बैठने पर असहज महसूस होता है।

बालों के टेक्सचर में बदलाव

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के बालों की ग्रोथ के साथ-साथ उनके टेक्सचर में भी काफी बदलाव दिखता हैं। यह सब गर्भावस्था के दौरान महिलाओं मे आए हॉर्मोनल बदलाव के कारण होता है, इसको एस्ट्रोजन नामक हॉर्मोन प्रभावित करता है। जिसके बढ़ने से बाल अधिक घने और चमकदार होने लगते हैं। बच्चे को जन्म देने के बाद ये साइकल सामान्य हो जाते हैं। लेकिन डिलीवरी के बाद कई महिलाओं को हेयर फॉल की शिकायत रहती है। क्योंकि ऐसे मे पहले ही बढ़े हुए बालों का बढ़ना रुक जाता है और वह सब एक साथ गिरने लगते हैं।

सुनाई कम देना

गर्भावस्था हार्मोन कभी-कभी अस्थायी सुनवाई हानि या टिनिटस (कान में घंटी जैसा बजना) का कारण भी बनता है। कुछ गर्भवती महिलाओं, विशेष रूप से एलर्जी से ग्रस्त महिलाओं में साइनस की समस्या अधिक देखने को मिलती है। भीतरी कान में तरल पदार्थ के साथ नम और संचार प्रणाली के साथ जुड़े होने के कारण, गर्भावस्था में रक्त की मात्रा के बढ़ने पर महिलाओं के कंबुकर्णी नली को प्रभावित कर, कान के अवरूद्ध होने की भावना पैदा करता है। चाहे आप गर्भवती है या नहीं, लेकिन ठंड जैसे वायरस के पकड़ने पर समस्या दूर होने तक अस्थायी रूप से आपको कम सुनाई देता है।

सुझाव

स्वस्थ फेफड़ों के लिए लें खास आहार

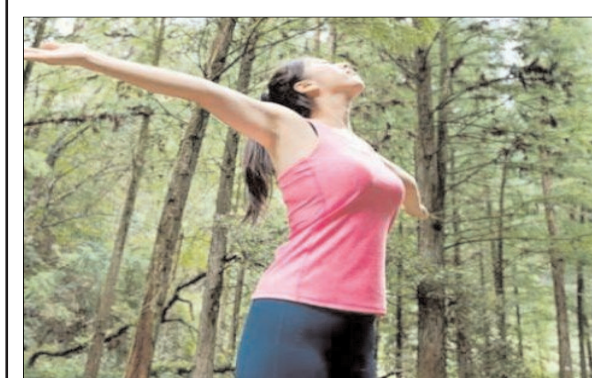

हमारा खान-पान कैसा हो जो फेफड़ों के लिए फायदेमंद रहे। अगर फेफड़ों में कोई परेशानी हो, तो अपने खाने में क्या शामिल करें प्रदूषण, धूम्रपान आदि के दुष्प्रभावों के कारण छाती व फेफड़ों से संबंधित परेशानियां बढ़ती जा रही हैं। हम आहार पर थोड़ा-सा गौर करके अपने फेफड़ों को ज्यादा सेहतमंद बना सकते हैं।

क्या खाएं

विटामिन सी युक्त भोजन और फल लें। इनमें खट्टे फल, नीबू, संतरा, मौसमी आदि प्रमुख है। संतुलित आहार लें, जो दाल और अन्न से परिपूर्ण होना चाहिए। यदि फेफड़ों से संबंधी कोई परेशानी है या फेफड़ों में किसी तरह के संक्रमण की शिकायत है तो प्रोटीन से भरपूर डाइट लें, ताकि शरीर में हुई क्षति को जल्दी ठीक किया जा सके। प्रोटीन के लिए सोयाबीन, सभी तरह की दालें, पनीर, अंडा आदि खा सकते हैं। दिन में कम-से-कम डेढ़ से दो लीटर पानी अवश्य पिएं। इससे बलगम को बाहर निकलने में सहायता मिलती है। फलों से मिलने वाले विटामिन्स और मिनरल्स फेफड़ों को दुरुस्त रखने में सहायक होते हैं। मौसमी फल खाना अधिक हितकर होता है। खाने-पीने का समय निर्धारित करें और नियमित अंतराल पर खाएं।

मौसम के अनुरूप यह रखें ध्यान

आजकल के उमस भरे मौसम में फेफड़ों को स्वस्थ रखने या उनसे संबंधित परेशानी से राहत के लिए पानी खूब पिएं। फेफड़ों से संबंधित किसी तरह की परेशानी है तो बहुत खट्टा या ठंडा न खाएं। इससे फेफड़ों में सूजन की आशंका रहती है। शरीर को एकदम सर्दी से गर्मी या गर्मी से सर्दी में ले जाने से बचें।

क्या नहीं खाएं

बासी भोजन न करें। इससे फेफड़ों को नुकसान पहुंचता है और पाचन तंत्र भी बिगड़ता है। यदि फेफड़ों का किसी तरह का रोग है, तो तेज मसाले और तला-भुना खाने से भी बचें, क्योंकि इससे एसिडिटी की शिकायत हो सकती है, जो फेफड़ों के लिए बहुत हानिकारक होती है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): मित्तव्यता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3933

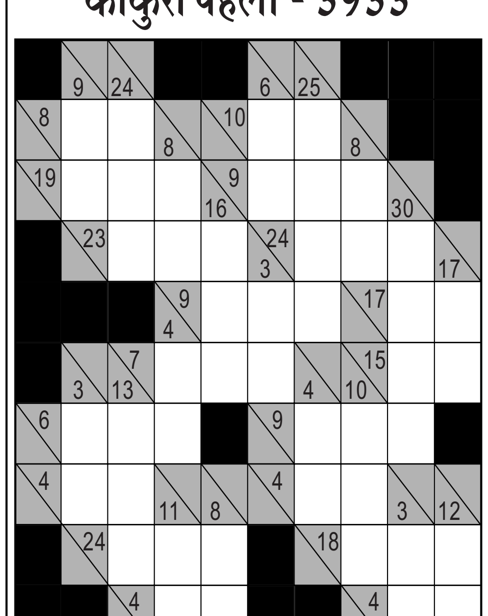

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

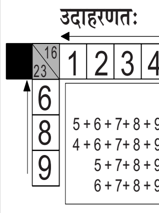

5 + 6 + 7 + 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7 + 8 + 9 = 34
5 + 7 + 8 + 9 = 29
6 + 7 + 8 + 9 = 30

काकुरो - 3932 का हल

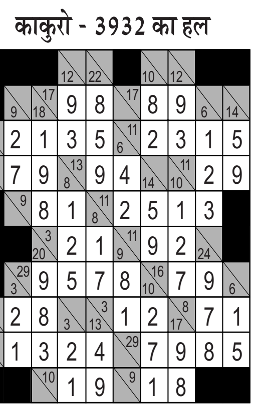

हंसी के फूव्वारें

एक अभिनेत्री ने ब्यूटी-क्लीनिक की मालकिन से अपने चेहरे के दाग को मिटाने का रेट पूछा.

'पांच सौ रुपये लगेंगे !'
'पांच सौ तो ज्यादा हैं !'
'फिर ?'
'कोई सस्ता तरीका बताइए !'
'सस्ता नहीं मुफ्त का तरीका है.'
'कृपया जल्दी बताइये !'
' घूंघट निकालना शुरू कर दीजिए! आपका काम मुफ्त में बन जायेगा.'

एक आंखों के डाक्टर ने अपने एक सर्जन मित्र को नजर का चश्मा बनाकर दिया. संयोग से उसी दिन आंखों के डाक्टर को उसी सर्जन से अपना ऑपरेशन करवाना पड़ा.

फिर जब वह ऑपरेशन टेबल पर लेट गया तो सर्जन चश्मा लगाकर बोला- 'रेडी ! मैं तैयार हो गया हूँ ! अब तुम बताओ कि तुम कहां हो?'

आंखों का डाक्टर तुरन्त मेज से कूद पड़ा.

प्रशंसिका: ''आपके उपन्यास का अंतिम सीन बहुत अच्छा है.''
उपन्यासकार: ''उपन्यास के आरंभ के विषय में आपका क्या विचार है?''
प्रशंसिका: ''मैं उसे अभी पढ़ना शुरू करने वाली हूँ.''

फिल्म वर्ग पहेली- 3933

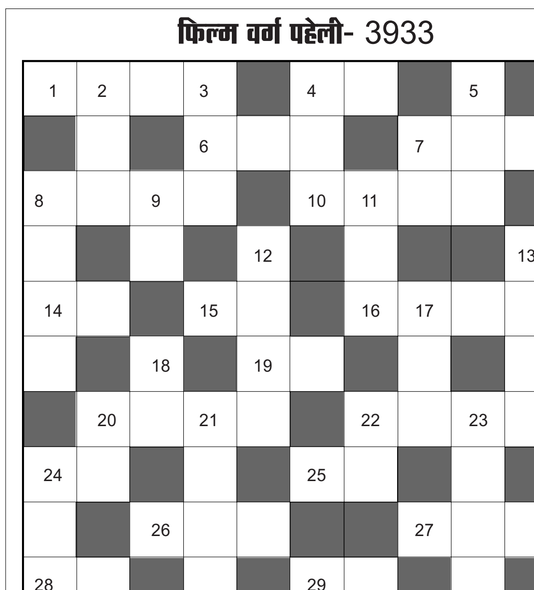

बायें से दायें:-

१. सैफ, चंद्रचूड़, प्रीति की 'इसे खेल ना समझो' गीत वाली फिल्म-१,३
४. 'एक लड़की जिसके' गीत वाली संजय दत्त, जैकी, रवीना की फिल्म-२
६. गोविंदा, रवीना टंडन की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
७. 'हम दिल दे चुके सनम' में सलमान की माँ की भूमिका किसने की थी-३
८. ऋषि कपूर, जूही चावला वाली फिल्म 'दरार' में सहनायक कौन था-४
१०. 'रंग दे रंग दे' गीत वाली फिल्म 'तक्षक' के संगीत निर्देशक कौन हैं-४
१४. राजकुमार, जीतेंद्र की फिल्म 'मेरे हुजूर' की नायिका कौन थी-२
१५. 'दिल है तुम्हारा' में अर्जुन रामपाल के किरदार का क्या नाम है-२
१६. राजेंद्रकुमार, बी. सरोजादेवी की 'जाना तुम्हारे प्यार में' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'इस टूटे दिल' गीत वाली अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की फिल्म-२
२०. अक्षयकुमार, करिश्मा की 'माथे पे चमके इसके' गीत वाली फिल्म-४
२२. 'सोला किये थे' गीत वाली मिथुन, शिल्पा शिरोडकर की फिल्म-४
२४. आमिर खान, माधुरी की 'मुझे नींद न आये' गीत वाली फिल्म-२
२५. नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ, कुमार गौरव, जावेद, जूही की फिल्म-२
२६. राजकपूर, दिलीपकुमार की 'उठाये जा उनके' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'ओ मेरे सनम ओ मेरे सनम' गीत वाली फिल्म-३
२८. राजेंद्रकुमार, माला सिन्हा की 'जिसके सपने हमें रोज' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

२. आफताब, लिसा रे की 'कितना बेचैन हो के' गीत वाली फिल्म-३
३. 'तेरे बिना मैं कुछ' गीत वाली मिथुन, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-३
४. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'यारी है ईमान मेरा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'बोल गोरी बोल तेरा कौन पिया' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
७. फिल्म 'रजिया सुल्तान' में शीर्षक भूमिका किसने की थी-२
८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मीत ना मिला रे मन का' गीत वाली फिल्म-४
९. संजय दत्त, इंद्रकुमार, मनीषा की फिल्म-२
११. शॉवर अली, तरूण अरोड़ा, मेघना की 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-३
१२. राजेश खन्ना, शबाना की 'चलो बुलावा आया है' गीत वाली फिल्म-४
१३. सनी, रजनीकांत, श्रीदेवी की फिल्म-४
१७. अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की 'शाबा ये नखरा' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२
२०. सनी, तब्बू, रीमा सेन की फिल्म-२
२१. 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
२२. आयशा, दिव्या भारती, कमल सदाना की 'तेरी मुहब्बत' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'ये काली काली आँखें' गीत वाली फिल्म-४
२४. सनी, बॉबी, उर्मिला की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3932

सूडोकु -3933

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3932 का हल

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3933

बाएँ से दाएँ

1.दयालु.उदार-5
4.गगन,आकाश-4
7.सरिता-2
8.चोगा,गाऊन-3
9.छुट्टी,अवकाश-2
10.आबे हयात,काबा कूप-4
11.रिहा-2
13.खाना,भोजन करना-3
14.जिद-2
15.हिम्मत,बल-3
17.कारागार-2
19.रइसे आजम,सूरी-5
22.दुत्कारना,डांटना-5
25.सराबोर-2
26.भोर,सवेरा-3
28.मूल्य,कीमत-2
29.महीन,बहुत छोटा-3
30.फूंक,दम,सुट्टा -2
32.झंकार,प्रतिध्वनि-4
34.उष्णता,ज्वर-2
36.ओट,चिलमन-3
37.छोटा टुकड़ा-2
38.सराबोर,सना हुआ-4
39.निर्माता,रचना करने वाला-5

ऊपर से नीचे

1.कैदी,बंधक-2
2.मुलायम-3
3.यात्री पोत,तैरता होटल-5
4.उर्दू में अभिवादन-3
5.पिटाई,चोट-2
6.नाजुकता-4
7.नया जीवन-5
10.मर्यादा-4
12.खाली,रिक्त-2
16.लाईन,पंक्ति-3
17.गर्मी का महीना-2
18.उदर-2
20.दीनहीन,दरिद्र-3
21.लश्कर,फौज-2
22.नष्ट,अद्वैतभाव-2
23.व्यवसाय,धंधा-4
24.नाम रखना -2,3
25.होशियार-5
26.सुर आलाप-2,2
27.अधिकार-2
31.प्रतिज्ञा-3
33.आकांक्षा,अभिलाषा-3
35.राह,मार्ग-2
37.टैक्स,हाथ-2

शब्द पहेली -3932 का हल

'लॉक अप' के नए सीजन में कंगना रनौत के न होने पर बोलीं एकता कपूर

टीवी और ओटीटी की दुनिया में एकता कपूर की अपनी अलग ही पहचान है। इन दिनों वह अपने लोकप्रिय रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' के नए सीजन को लेकर चर्चा में है। इस बार शो में कई बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। सबसे बड़ी बात यह है कि पहले सीजन को होस्ट करने वाली अभिनेत्री कंगना रनौत इस बार शो का हिस्सा नहीं होंगी। इसी को लेकर एकता कपूर ने खुलकर अपनी बात रखी और बताया कि आखिर ऐसा क्यों हुआ। मुंबई में हुए शो के लॉन्च इवेंट के दौरान एकता कपूर ने कंगना रनौत के न होने से जुड़े सवालों का जवाब दिया। उन्होंने कहा, ''इस बार शो का पूरा फॉर्मेट और विजन बदल दिया गया है। जब शो की पूरी दिशा ही बदल रही है, तो पुराने सेटअप को आगे ले जाना संभव नहीं था। इस बार शो को एक नए तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है, ताकि दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।''

एकता कपूर ने कहा, ''पहले शो का कॉन्सेप्ट जेलर और होस्ट वाला था, लेकिन अब यह पूरी तरह से बदल दिया गया है। अब न तो पहले जैसा जेलर सिस्टम है और न ही होस्ट की पुरानी भूमिका। शो को नए रूप में लाने के लिए जरूरी था कि हर पुरानी चीज को हटाकर एक नई शुरुआत की जाए। इस बार शो का डिजाइन और प्रस्तुति दोनों में बड़ा बदलाव किया गया है। अगर पुराने फॉर्मेट को ही बनाए रखा जाता, तो नए सीजन की ताजगी और नया अनुभव दर्शकों तक नहीं पहुंच पाता।'' गौरतलब है कि पहले सीजन में कंगना रनौत ने शो को होस्ट किया था, जबकि अभिनेता करण कुंद्रा को जेलर की भूमिका में देखा गया था। इस सीजन के विजेता कमीडियन मुनव्वर फारुकी बने थे। शो का कॉन्सेप्ट जेल-स्टाइल सेटअप पर आधारित था, जहां कंटेस्टेंट्स को अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होते थे। नए सीजन की बात करें, तो इस बार शो में 14 कंटेस्टेंट्स होंगे, जिनके साथ दो जेलर भी शामिल किए जाएंगे। शो की अवधि भी तय कर दी गई है और यह लगभग 6 हफ्तों तक चलेगा। नियमों के अनुसार, कंटेस्टेंट्स को इस बार भी अपनी बुनियादी जरूरतों के लिए टास्क पूरे करने होंगे और उसी के आधार पर उन्हें इन-शो करेंसी और सुविधाएं मिलेंगी। नए सीजन के लिए कई नए नामों की भी घोषणा की गई है। इस बार अभिनेता राम कपूर, अभिनेत्री शिवांगी जोशी और सोशल मीडिया पर्सनैलिटी पामेला सेरेना जैसे चेहरे कंटेस्टेंट के रूप में नजर आएंगे। इसके अलावा इस बार शो में जेलर की भूमिका रितेश देशमुख और फराह खान निभाएंगे। यह शो ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम किया जाएगा।

क्या जूनियर एनटीआर की फिल्म में विलेन बनेंगे शाहिद?

शाहिद कपूर के फैंस के लिए एक खुशखबरी है। शाहिद ने अपनी सुपरहिट वेब सीरीज 'फर्जी' के दूसरे सीजन को लेकर कई अहम जानकारी साझा की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि यह सीरीज कब रिलीज होगी। शाहिद ने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ लाइव बातचीत की। इस दौरान उन्होंने 'फर्जी 2' को लेकर कई अहम जानकारी दी। शाहिद ने बताया कि 'फर्जी' के दूसरे सीजन का काम लगभग पूरा हो चुका है और यह सीरीज अगले साल रिलीज हो सकती है। इस साल मार्च में शाहिद ने शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी थी। इससे पहले फरवरी में उन्होंने निर्देशक जोड़ी 'राज और डीके' के साथ एक फोटो शेयर कर लिखा, 'यह लोग फिर से सक्रिय हो गए हैं।' मेकर्स ने भी सोशल मीडिया पर नोटों के ढेर की तस्वीर शेयर कर 'दूसरे राउंड' की पुष्टि की थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शाहिद कपूर जल्द ही साउथ सिनेमा में कदम रख सकते हैं। चर्चा है कि वे जूनियर एनटीआर की आने वाली फिल्म 'ड्रैगन' में खलनायक की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म का निर्देशन मशहूर डायरेक्टर प्रशांत नील कर रहे हैं। पहले इस रोल के लिए साउथ स्टार टोविनो थॉमस से बात चल रही थी, लेकिन उनके हटने के बाद अब मेकर्स शाहिद कपूर से बातचीत कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

'बिलेनियर' में विजय माल्या से प्रेरित होगा अर्जुन रामपाल का किरदार

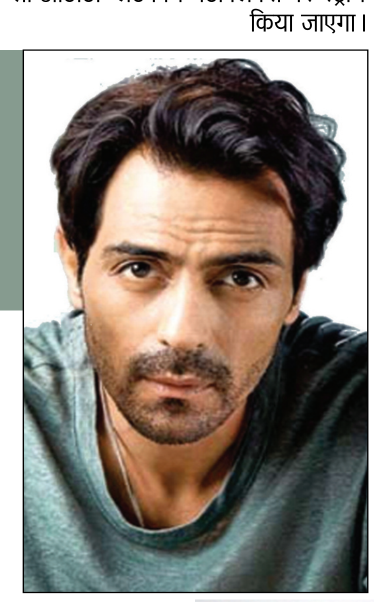

अभिनेता अर्जुन रामपाल वेब सीरीज 'बिलेनियर' को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज की घोषणा के बाद से यह कयास लगाए जा रहे थे कि इसमें उनका किरदार कारोबारी विजय माल्या या ललित मोदी से प्रेरित हो सकता है। अब सीरीज की मेकर प्रभलीन संधू ने इस पर प्रतिक्रिया दी है। प्रभलीन संधू ने बताया कि वह 'बिलेनियर' का निर्माण कर रही हैं, जबकि इसका निर्देशन हंसल मेहता और रॉबी ग्रेवाल मिलकर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्जुन रामपाल का किरदार कुछ हद तक विजय माल्या से प्रेरित है, लेकिन यह पूरी तरह उनके जीवन पर बेस्ड नहीं है। प्रभलीन ने अर्जुन रामपाल के साथ काम करने को लेकर खुशी भी जताई।

उन्होंने कहा कि हालिया सफलता के बाद उनका प्रदर्शन काफी प्रभावशाली रहा है और पूरी टीम उनके साथ काम करके उत्साहित है। फिल्म का निर्माण ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। इसकी पटकथा अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है।

वेदांग रैना की नई फिल्म में प्रगति श्रीवास्तव की एंट्री

बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है। अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे। फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना के किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

फैमिली एंटरटेनर फिल्म होगी खुशाली कुमार की 'दुल्हनिया ले आएगी'

अभिनेत्री खुशाली कुमार की आगामी फिल्म 'दुल्हनिया ले आएगी' का फर्स्ट लुक पोस्टर आज जारी कर दिया गया है। इस पोस्टर में खुशाली कुमारी सजी-धजी दुल्हन के जोड़े में नजर आ रही हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी है।

मेकर्स की ओर से जारी किए गए फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खुशाली कुमार दिखाई दे रही हैं। इस फर्स्ट लुक में खुशाली कुमार लाल रंग के लहंगे में नजर आ रही हैं। दुल्हन की तरह सजी-धजी खुशाली सिर पर मांग टीका और हाथों में चूड़ा पहने हुए हैं। इसके साथ ही वो आंखों पर काला चश्मा भी लगाए हुए हैं। इस पोस्टर में खुशाली पगड़ियों के ढेर के ऊपर लेटी हुई हैं। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी घोषित कर दी है। 'दुल्हनिया ले आएगी' 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर भी निभाएंगे अहम भूमिकाएं

इस फिल्म में खुशाली कुमार के अलावा पीयूष मिश्रा और महेश मांजरेकर जैसे मंझे हुए कलाकार भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन आकाशदित्य लामा ने किया है, जो दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के असिस्टेंट भी रह चुके हैं। यही कारण है कि कुछ दिन पहले प्रियदर्शन ने भी इस फिल्म को प्रमोट किया था। जबकि फिल्म का निर्माण सिद्धार्थ बनर्जी, आकाशदित्य लामा और विकास अग्रवाल ने किया है। मेकर्स ने अभी तक फिल्म की कहानी को लेकर ज्यादा खुलासे नहीं किए हैं। हालांकि, फिल्म के टाइटल और शुरुआती जानकारी से पता चलता है कि यह एक पारिवारिक ड्रामा होगी। इसमें रिश्तों, त्योहारों, शादी के जश्न और अचानक पैदा होने वाली मजेदार परिस्थितियों को दिखाया जाएगा। यह फिल्म हर उम्र के दर्शकों को ध्यान में रखकर बनाई जा रही है, जिसमें हल्के-फुल्के मनोरंजन के साथ-साथ इमोशनल पल भी होंगे।

कल्चर बुलिंग का ही रूप है बॉलिवुड बैन

इंडस्ट्री में तकरीबन दो दशक का समय बिता चुकी कंगना करियर और निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं, मगर एक अभिनेत्री और राजनेता के रूप में उन्होंने हमेशा लोगों का प्यार पाया। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म भारत भाग्य विधाता से। यहां वे हमेशा की तरह कई मुद्दों पर खुलकर बातें करती हैं।

ऐसा साथी चाहती हूं, जो मुझे उपलब्धि की तरह देखे

सोशल मीडिया पर कंगना रनौत के मंगलसूत्र वाले लुक के बाद उनकी शादी को लेकर खूब अटकलें लगी थीं, हालांकि बाद में स्पष्ट हुआ कि वह उनकी फिल्म का हिस्सा था। जब हमने उनसे शादी और जीवनसाथी को लेकर सवाल किया, तो वे ठहाका लगाते हुए बोलीं, 'मुझे पता था कि यह सवाल जरूर आएगा। आपने तीन-चार साल पहले भी मुझसे पूछा था कि वह कौन-सा धुरंधर होगा जिससे मैं शादी करूंगी। वैसे 'धुरंधर' शब्द मैंने पहली बार आपसे ही सुना था।' शादी को लेकर कंगना का नजरिया बेहद स्पष्ट है। वह कहती हैं, 'मेरा विवाह संस्था में गहरा विश्वास है, लेकिन मेरा मानना है कि हर व्यक्ति की अपनी एक टाइमिंग होती है।'

इंसान चीजें पीछे छोड़ देता है

कंगना ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तब मेरी मां पूछती थीं कि आखिर मैं करियर के पीछे इतनी क्यों भाग रही हूं। मेरे लिए यह सिर्फ आर्थिक आत्मनिर्भरता का सवाल नहीं था। मुझे लगता था कि मेरी ग्रोथ ऐसी होगी कि शायद किसी के साथ एडजस्ट करना मुश्किल हो जाए। लेकिन अब मुझे लगता है कि जो भी मेरी जिंदगी में आए, वह मुझ पर गर्व करे। उम्र के एक मुकाम पर पहुंचकर इंसान बहुत-सी चीजों को पीछे छोड़ देता है और फिर अपने सुकून और कंफर्ट को महत्व देने लगता है। आज मैं ऐसा जीवनसाथी चाहती हूं, जो मेरे कंफर्ट जोन को समझे और मुझे एक उपलब्धि की तरह देखे।'

बॉलिवुड बैन कल्चर बुलिंग का ही रूप है

हाल ही में रणवीर सिंह को मिले नॉन-कॉपरेटिव नोटिस के मुद्दे पर उनका समर्थन करने वाली कंगना रनौत ने बॉलिवुड के 'बैन कल्चर' पर भी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में गुटबाजी पहले भी थी, लेकिन अब यह खुलकर सामने आने लगी है। कई कलाकार इस पर बात कर चुके हैं। ऐश्वर्या राय ने भी कहा था कि एक समय उनकी पांच साल की डायरी अचानक खाली हो गई थी। ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां कलाकारों ने अपने साथ हुए ग्रुपिज्म और बहिष्कार का जिक्र किया है।' कंगना ने आगे कहा, 'ग्रुपिज्म हर जगह होता है, लेकिन जब यह किसी के करियर को प्रभावित करने लगे तो यह बुलिंग का रूप ले लेता है। जिस तरह स्कूलों में बुलिंग के खिलाफ नियम होते हैं, उसी तरह इंडस्ट्री में भी ऐसी प्रवृत्तियों पर रोक लगनी चाहिए।'

महिलाओं को सेक्सुअलिटी के दायरे में देखा जाता है

वह आगे कहती हैं, 'सबसे हैरानी की बात यह है कि महिलाओं को लगातार उनकी सेक्सुअलिटी के दायरे में ही देखा जाता है। उनकी उम्र का भी लिहाज नहीं किया जाता। 60 या 70 साल की महिला के खिलाफ भी अपमानजनक और यौन संकेतों वाले मीम्स का इस्तेमाल किया जाता है। यह सिर्फ हमारे देश में नहीं, बल्कि उन देशों में भी होता है जिन्हें हम अधिक खुले और प्रगतिशील समाज मानते हैं।' महिलाओं के पहनावे और व्यक्तित्व को लेकर बनने वाली धारणाओं पर भी कंगना सवाल उठाती हैं। वह कहती हैं, 'अगर कोई महिला अच्छा दिखना चाहती है, सजती-संवरती है, तो उसके बारे में तरह-तरह की बातें बनाई जाती हैं। लोग यह मान लेते हैं कि वह सिर्फ पुरुषों का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रही है। मैंने यह सोच लगभग हर समाज में देखी है। किसी के सजने-संवरने या आत्मविश्वास के साथ खुद को प्रस्तुत करने को उसके चरित्र से जोड़ना बेहद गलत है। दुर्भाग्य से ऐसा आज भी होता है और इसमें बदलाव आना चाहिए।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।